संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -287 शनिवार , 19 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बछड़े के चक्कर में 6 लोगों की हो गई मौत

बछड़े को बचाने के लिए उमड़ पड़ा था पूरा गांव

रांची,18 अगस्त 2023(ए)। झारखंड में हुए एक दर्दनाक हादसे के चलते पूरे गांव में मातम छ गया है। यहां एक बछड़े को बचाने के फेर में 6 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा।

यह मामला सिल्ली के पिस्का गांव का है जहां 20 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी 6 ग्रामीणों के शव निकालने में एनडीआरएफ की टीम सफल रही है। 40 साल पुराने और करीब 35 से 40 फीट गहरे कुएं में एक बछड़ा के गिर जाने के दौरान ये दर्दनाक हादसा हुआ।

बछड़े को निकालते मिट्टी धंसी,फिर मच गया हाहाकार

जानकारी के मुताबिक गुरुवार की शाम करीब 4 बजे पिस्का गांव के लोग बछड़ा को बचाने के लिए कुआं में उतरे थे। कुएं के अंदर चार लोग उतरे थे जबकि गांव के और लोग ऊपर से बछड़ा को खींचने में जुटे थे। उसी वक्त जिस खंभे के सहारे बछड़ा को निकाला जा रहा था वो टूट गया, तब कुआं का ऊपरी हिस्सा भी भरभरा कर ढह गया जिसके कारण कुल 7 लोग कुएं में समा गए। दो लोग ऊपर के हिस्से में भी फंसे थे , जिन्हें आसानी से निकाल लिया गया।

एक की बच सकी जान

कुएं के अंदर गिरने वालों में से सिर्फ भागीरथ मांझी का नाम का युवक मौत को मात देकर बाहर निकल सका। उसके सिर में चोट लगी है। हालांकि इस घटना में उसके पिता बहादुर मांझी की मौत हो गई। बछड़ा बचाने के दौरान जिन ग्रामीणों की मौत हुई उसमे मंटू मांझी, विष्णु चरण मांझी, रमेशचंद्र मांझी, बहादुर मांझी, गुरुपद मांझी और धनंजय मांझी के नाम शामिल हैं। इधर इस घटना में मौत के मुंह से निकलने वाले भागीरथ मांझी ने बताया कि गांव में बछड़ा के कुआं में गिरने की जानकारी मिलने के बाद वहां पहुंचे थे।

उसके पिता कुआं के नीचे उतरे थे। बछड़ा को निकालने का प्रयास चल रहा था, इसी दौरान बछड़े ने अंदर रस्सी बांधने के बाद हरकत शुरू कर दी। इसके चलते कुएं की मिट्टी भी धंसने लगी। देखते-देखते रस्सी पकड़ने वाले सभी लोग अंदर कुएं में समा गए। हल्ला करने के बाद गांव के दूसरे लोग वहां पहुंचे। सबसे पहले बांस और रस्सी की मदद से भागीरथ को निकाला गया। गांव के ही आनंद ने बताया कि जैसे ही ये घटना घटी गांव के लोगों को इकट्ठा किया गया।

बचाव कार्य में लगे 20 घंटे

भागीरथ को भी काफी मशक्कत के बाद बचाया जा सका लेकिन उसके बाद अंदर फंसे लोगों के लिए जेसीबी और फिर बाद में पोकलेन की मदद ली गई। गुरुवार को दो मृत ग्रामीणों को निकाला गया था, जबकि शुक्रवार को 4 ग्रामीणों को निकाला गया। दिन के करीब साढ़े 12 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त हुआ। रेस्क्यू कार्य में एनडीआरएफ की टीम पूरे समय जुटी रही। स्थानीय आजसू विधायक सुदेश महतो देर रात से रेस्क्यू खत्म होने तक डटे रहे। सुदेश महतो ने राज्य सरकार पर इस घटना को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप भी लगाया।

उनका आरोप था कि सरकार का कोई भी बड़ा अधिकारी घटना स्थल पर नहीं पहुंचा। सुदेश महतो ने मृतक के परिजनों को 5-5 लाख रुपया मुआवजा और नौकरी की मांग की है। बीजेपी सांसद संजय सेठ ने भी सरकार के द्वारा मानवीय संवेदना नहीं दिखाने पर आपत्ति दर्ज की। बीजेपी सांसद ने इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पोकलेन ऑपरेटर काशीनाथ की सराहना करते हुए गृह मंत्री के पास सम्मान के लिए नाम भेजने का भी ऐलान किया।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर ,18 अगस्त 2023(ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी शुरू की।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनआईए के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ जम्मू के भटिंडी और कश्मीर के कुलगाम, शोपियां और कुपवाड़ा जिलों में छापेमारी शुरू की।

सूत्रों ने कहा, ये छापेमारी एजेंसी द्वारा आतंकवाद से जुड़े मामले में चल रही जांच का हिस्सा है।

कुपवाड़ा में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर ,18 अगस्त 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संयुक्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। खुफिया जानकारी के आधार पर ये कार्रवाई की गई।रक्षा सूत्रों ने बताया कि कुपवाड़ा जिले में सेना, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से 15 से 18 अगस्त तक मच्छल सेक्टर में चलाए गए ऑपरेशन मच्छल प्रहार 2 के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।बरामदगी में पांच एके राइफल, सात पिस्तौल, चार हथगोले और अन्य आपत्तिजनक सामग्री शामिल हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली-पुणे विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी

» सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया

नई दिल्ली,18 अगस्त 2023 (ए)।इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर जीएमआर कॉल सेंटर को बम की धमकी के संबंध में संचार मिलने के बाद दिल्ली से पुणे विस्तारा की उड़ान में सवार सभी लोगों को शुक्रवार को विमान से उतार दिया गया।

हवाईअड्डे के एक सूत्र ने कहा, दिल्ली-पुणे उड़ान में बम होने की धमकी मिली थी और इसे आईजीआई पर आगे की जांच के लिए सुरक्षा दल को सौंप दिया गया है।

अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह 8.52 बजे हवाईअड्डे से एक उड़ान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद एहतियात के तौर पर एक दमकल गाड़ी को मौके पर भेजा गया। विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा, हम पुष्टि करते हैं कि शुक्रवार को दिल्ली से पुणे के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान यूके971 में अनिवार्य सुरक्षा जांच के कारण देरी हो गई है।हम इसके लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। इस बीच, हम अपने ग्राहकों को जलपान की पेशकश सहित असुविधा को कम करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। विस्तारा में, हमारे ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है हमें, प्रवक्ता ने कहा। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है.

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

गोलीबारी में तीन नागरिकों की मौत सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली ,18 अगस्त 2023(ए)। मणिपुर में 12 दिनों की शांति के बाद शुक्रवार को फिर से हिंसा भड़क उठी है। हथियार से लैस बदमाशों ने उखरुल जिले में तीन ग्राम रक्षा कर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना जिला मुख्यालय उखरूल शहर से लगभग 47 किमी दूर स्थित कुकी आदिवासियों के गांव थौवाई कुकी में के आसपास हुई। बीएसएफ सहित सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।सूत्रों के मुताबिक, मैतेई उपद्रवियों ने सबसे पहले गांव के ड्यूटी पोस्ट पर हमला किया, जहां स्वयंसेवक गांव की सुरक्षा के लिए ड्यूटी कर रहे थे। इस गोलीबारी में कुकी स्वयंसेवकों के तीन लोगों के मारे जाने की खबर है। मारे गए लोगों की पहचान जामखोगिन हाओकिप (26), थांगखोकाई हाओकिप (35) और होलेनसोन बाइते (24) के रूप में हुई है।मणिपुर में 3 मई से इंफाल घाटी में बहुसंख्यक मैतेई और आसपास के पांच जिलों में प्रभावी आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पें देखी जा रही हैं। इन झड़पों में 160 से अधिक लोगों की जान चली गई है। लगभग 50,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

लालू की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,18 अगस्त 2023(ए)। उच्चतम न्यायालय करोड़ों रुपये के चारा घोटाले के सिलसिले में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली जमानत को रद्द करने की मांग करने वाली सीबीआई की याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सहमत हो गया है।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, इस मामले पर अगले शुक्रवार, 25 अगस्त को सुनवाई होने की संभावना है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. के समक्ष मामले का उल्लेख किया। चंद्रचूड़ की पीठ से मुलाकात की और पूर्व विधायक की जमानत रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की।

पिछले साल अप्रैल में, झारखंड उच्च न्यायालय ने डोरंडा कोषागार से 139.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से निकासी से संबंधित पांचवें चारा घोटाले के मामले में लालू प्रसाद को जमानत दे दी थी।

विशेष रूप से, सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल, 2021 और 9 अक्टूबर, 2020 को जारी जमानत आदेशों को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर पहले ही नोटिस जारी कर दिया था, जहां झारखंड उच्च न्यायालय ने बिहार के पूर्व सीएम को संबंधित मामले में जमानत दे दी थी। दुमका कोषागार और चाईबासा कोषागार से फर्जी तरीके से धन की निकासी।

अविभाजित बिहार में लालू प्रसाद के मुख्यमंत्री रहते हुए पशुपालन विभाग में करोड़ों रुपये का चारा घोटाला हुआ था. यह घोटाला 1996 में सामने आया और पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

लालू प्रसाद को झारखंड के देवघर, दुमका और चाईबासा कोषागार से धोखाधड़ी से पैसे निकालने के चार चारा घोटाले के मामलों में दोषी ठहराया गया था। डोरंडा मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने उन्हें पांच साल की सजा सुनाई थी और 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था.

पंजाब के 7 जिलों में बाढ़

» भाखड़ा डैम से अगले तीन दिन और छोड़ा जाएगा पानी

चंडीगढ़,18 अगस्त 2023 (ए)। हिमाचल में लगातार हो रहा बारिश के कारण पंजाब के कई जिले बाढ़ की चपेट में आ गई है। जानकारी के अनुसार होशियारपुर, रोपड़, तरनतारन, कपूरथला, अमृतसर, फिरोजपुर और गुरदासपुर में बाढ़ का पानी आ जाने के कारण कई घरों में पानी भर गया है। वहीं किसानों की फसलें भी नुकसानी गई है।

गुरदासपुर में बाढ़ के पानी के साथ चकशरीरफ से भैणी मियां खां के रास्ते में पड़ती ड्रेन का पुल टूट गया है। जिसके बाद इस रास्ते को बंद कर दिया गया है। वहीं अब लोगों को दूसरे रास्तों से जाने के लिए कहा जा रहा है। गुरदासपुर डीसी ने कहा कि पौंग डैम से पानी का स्तर कम कर दिया गया है, अब सिर्फ 80 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

अदालत ने आईओ द्वारा सबूतों में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए तीन को किया बरी

नई दिल्ली,18 अगस्त 2023 (ए)। 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने तीन लोगों को आरोपमुक्त कर दिया है, जिन पर दंगा करने, गैरकानूनी सभा का हिस्सा बनने और दंगों के दौरान बर्बरता का आरोप था।

कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, पुलस्त्य प्रमाचला ने आरोपियों अकील अहमद, रहीश खान और इरशाद को आरोपमुक्त करते हुए दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी (आईओ) के आचरण पर संदेह व्यक्त किया।

जज ने कहा कि आईओ द्वारा सबूतों में हेरफेर करने और पूर्व-निर्धारित और यांत्रिक तरीके से आरोपपत्र दाखिल करने के संकेत मिले हैं।

अदालत ने कहा कि रिपोर्ट की गई घटनाओं की पूरी तरह से और ठीक से जांच नहीं की गई, और ऐसा लगता है कि शुरुआती खामियों को छुपाने के एजेंडे के साथ आरोपपत्र दायर किए गए थे।

इसके बाद न्यायाधीश ने मामले को वापस दिल्ली पुलिस के पास भेज दिया और उनसे जांच का पुनर्मूल्यांकन करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

घर में घुसकर पत्रकार की गोली मारकर हत्या

अररिया ,18 अगस्त 2023 (ए)। बिहार के अररिया जिले के रानीगंज इलाके में बेखौफ बदमाशों ने शुक्रवार को एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार विमल कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी और आराम से चलते बने।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार की सुबह रानीगंज के प्रेम नगर स्थित आवास से पत्रकार विमल कुमार को अपराधियों ने घर से बुलाया। जैसे ही वे दरवाजा खोलकर बाहर निकलने वाले थे, वैसे ही अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी।

गोली लगने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

बताया जाता है कि अपराधियों की संख्या चार से पांच थी, जो बाइक पर सवार होकर आए थे।

परिजनों के मुताबिक, दो साल पूर्व विमल के बड़े भाई की हत्या भी अपराधियों ने कर दी थी। इस मामले में विमल मुख्य गवाह थे।

आशंका जताई जा रही है कि गवाह होने के कारण ही बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया हो।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेज दिया है तथा पूरे मामले की सभी कोणों से जांच शुरू कर दी है। विमल कुमार के एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। इधर, घटना के बाद पत्रकारों में आक्रोश है।

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में लश्कर के दो आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर ,18 अगस्त 2023(ए)।जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर शुक्रवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े दो आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से दो ग्रेनेड और आठ पिस्तौल राउंड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है।

पुलिस ने कहा, पुलिस ने सेना (52 आरआर) के साथ शेर कॉलोनी टार्जू में स्थापित एक संयुक्त जांच चौकी पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका, जिन्होंने संयुक्त दल को देखकर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन चतुराई से उन्हें पकड़ लिया गया।उनकी पहचान मंजूर अहमद भट और तनवीर अहमद लोन के रूप में की गई है, दोनों दारनाम्बल तारजू के निवासी हैं, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए हैं। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो ग्रेनेड और आठ पिस्तौल राउंड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

राज्यसभा के 225 सांसदों में 27 अरबपति !

नई दिल्ली ,18 अगस्त 2023(ए)। मौजूदा 225 राज्यसभा सांसदों में से 27 अरबपति हैं, जिनमें से छह भाजपा से हैं। शुक्रवार को सामने आई एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्यसभा सांसदों की औसत संपत्ति 80.93 करोड़ रुपये है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसने 233 राज्यसभा सांसदों में से 225 की आपराधिक पृष्ठभूमि के विवरण का विश्लेषण किया है।

मौजूदा राज्यसभा में एक सीट खाली है जबकि तीन सांसदों का विश्लेषण नहीं किया गया है क्योंकि उनके हलफनामे अनुपलब्ध थे और जम्मू-कश्मीर की चार सीटें अपरिभाषित हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है: विश्लेषण किए गए 225 मौजूदा राज्यसभा सांसदों में से 27 (12 प्रतिशत) अरबपति हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाले अरबपति सांसद सबसे ज्यादा भाजपा के हैं। इसके बाद कांग्रेस और वाईएसआरसीपी का नंबर है।

भाजपा के 85 राज्यसभा सांसदों में से छह (7 प्रतिशत) अरबपति हैं। कांग्रेस के 30 राज्यसभा सांसदों में से चार (13 प्रतिशत); वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नौ राज्यसभा सांसदों में से चार (44 प्रतिशत); आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से तीन (30 प्रतिशत); टीआरएस के सात राज्यसभा सांसदों में से तीन (43 प्रतिशत); और राजद के छह राज्यसभा सांसदों में से दो (33 प्रतिशत) ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की घोषणा है।

इसमें आगे कहा गया कि 100 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले सबसे ज्यादा सांसद आंध्र प्रदेश में हैं, उसके बाद तेलंगाना और महाराष्ट्र हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, आंध्र प्रदेश के 11 सांसदों में से पांच (45 प्रतिशत); तेलंगाना के सात सांसदों में से तीन (43 प्रतिशत); महाराष्ट्र के 19 सांसदों में से तीन (16 प्रतिशत); दिल्ली के तीन सांसदों में से एक (33 प्रतिशत); पंजाब के सात सांसदों में से दो (29 प्रतिशत); हरियाणा के पांच सांसदों में से एक (20 प्रतिशत); और मध्य प्रदेश के 11 सांसदों में से दो (18 प्रतिशत) ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

संपादकीय

खड़गे क्यों नहीं गए लाल किले ?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर होने वाले समारोह में हिस्सा लेने नहीं गए। उसके बाद शाम में वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से आयोजित चाय पार्टी में भी हिस्सा लेने नहीं गए। इसके लिए कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से कई कारण बताए गए हैं। पहला कारण तो यह बताया गया है कि खड़गे को कांग्रेस मुख्यालय में झंडा फहराना था और चूंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा इतनी सख्त थी कि वे लाल किला जाकर और वापस लौट कर समय से कांग्रेस मुख्यालय में झंडा नहीं फहरा पाते। बाद में जब वे राष्ट्रपति की चाय पार्टी में भी नहीं गए तो कहा गया कि उनकी तबियत ठीक नहीं थी।

कांग्रेस की ओर से बताए गए इन दो कारणों के अलावा एक तीसरा कारण भी है और वही असली कारण है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने जान बूझकर लाल किला पर झंडारोहण कार्यक्रम में नहीं जाने का फैसला किया। कांग्रेस के एक जानकार नेता का कहना है कि पार्टी को पता था कि भले भाषण लाल किले पर होगा और कार्यक्रम सरकारी है लेकिन प्रधानमंत्री विपक्षी पार्टियों और खास कर कांग्रेस को जरूर निशाना बनाएंगे। इसलिए वहां जाकर सामने बैठ कर अपनी आलोचना सुनने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने सरकारी और राजनीतिक कार्यक्रम का भेद खत्म कर दिया है। इसलिए कांग्रेस को सरकारी कार्यक्रमों से भी दूरी रखनी होगी। राष्ट्रपति की चाय पार्टी में नहीं जाने का ऐसा कोई कारण नहीं था लेकिन चूंकि खड़गे लाल किले के समारोह में नहीं गए थे इसलिए खराब सेहत के हवाले राष्ट्रपति की चाय पार्टी भी छोड़ दी।

आस्था,प्रेम व सौंदर्य का त्यौहार है तीज

श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

वर्षा ॠतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। तीज पर मेंहदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ॠतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ॠतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है।

राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

रमेश सर्राफ
झुंझुनू,राजस्थान

कुत्तों के लिए

कुत्ते भौंकते हैं और बहुत भौंकते हैं,
अपने गली का गान और
सिर्फ गली की पहचान,
कुत्ते इससे ज्यादा नहीं सोचते,
इसीलिए है बार बार भौंकते,
उनका ज्ञान अधूरा होता है,
माथे पर नशे वाला धतूरा होता है,
त्यौहारों में बस
हड्डी मिलने का भान होता है,
स्वतंत्रता और
गणतंत्र का नहीं ज्ञान होता है,
उसे लगता है मैं
सब कुछ बदल सकता हूं,
कितनों भी बड़ा हड्डी निगल सकता हूं,
सिर्फ भौंको और यहां से जाओ,
अपना दिमाग मत खपाओ,
संविधान बदलने की
तुम्हारी औकात नहीं,
बदल सको ऐसी तेरी जात नहीं,
वहीं संविधान
जिस दिन करेगा पलटवार,
पड़ जाओगे बीमार,
झोलाछाप वैद्यों पर भरोसा मत करो,
क्योंकि तुम्हारा पैसा और खून
वो चूस सकता है,
नहीं कर सकता इलाज,
भलाई इसी में है
बेवक्त भौंकने से आ जाओ बाज।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ

चाँद मेरा बेदाग है

ए चाँद,जरा मेरे इस चाँद को देख।
है तुझसे भी ज्यादा कमसिन हसीं।।
तुझमें तो दूर से दाग नजर आता है,
मेरा चाँद तो बिल्कुल बेदाग है।।
ए दागदार चाँद,नजर मत डाल,
मेरे इस मासूम से चाँद पर।
सामने इसके तू कुछ भी नहीं,
मुझे गुरुर है,मेरे इस चाँद पर।।
भोली सी सूरत,लबों की लाली
सुनहरे रंग लिए कानों की बाली
रेशम से केश,हो जुल्फों की बदली,
चाल इनकी बेहद मस्त मतवाली ।।
इनकी रंगत,इनकी संगत
सुहाना सफ़र है,
मेरा चाँद,मेरी जिंदगी का
हमसफर है।।
तू बस घूम रहा है,
यूँ बादलों में इर्द-गिर्द
मेरा चाँद तो मेरे पास
नजरें जमाए बैठी है।।
मेरे इस चाँद को देख कर,
फलक भी शरमा जाए।।
फूलों सी नजाकत लिए हैं,
चाँद मेरा देवबाला नजर आए।।
नख-शिख-रुप, अखियाँ नूरानी,
वो है मेरी सजनी,पगली,दीवानी।।
सावन-भादो की झर-झर पानी,
है सजनी मेरी मौजों की रवानी।।

महेन्द्र साहू खलारीवाला
गुंडरदेही बालोद
छत्तीसगढ़

ये है मच्छरों की आजादी

मच्छरों की आज़ादी में आदमी हमेशा
हस्तक्षेप नहीं कर सकते
लेकिन ...
मनुष्य की स्वतंत्रता में
मच्छर दखल देते हैं
द रीज़न...
मच्छर हमेशा स्वतंत्र रहते हैं
एक ही समय पर...
हिंसक तुम्हारा खून सिर्फ पीना नहीं
मच्छरों का काम है
काटना और आपके शरीर में बीमारियाँ
पैदा करना...
मलेरिया, डेंगू...सब मच्छरों से मुक्त
लीला काटो...तथापि
केवल मनुष्य ही पापी है
वह फँस गया है
और मच्छरों ने काट लिया है
और वह मच्छरों का आदी है...
मच्छरदानी भी ठीक हैं
मच्छर निरोधक भी ठीक हैं
इलेक्ट्रिक मच्छर निरोधक भी ठीक हैं
इधर - उधर कुछ मच्छर
अगर मारता भी है तो फिर ताकत से
यह पुनर्जन्म है उन मच्छरों का
पूर्ण स्वतंत्रता उस आज़ादी में
कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता
यदि वह इस प्रकार हस्तक्षेप करता है,
तो यह हस्तक्षेपकर्ता का है
आज़ादी अपने आप गायब हो जाएगी..
और चुपचाप तुम्हें मार डालेगी

ओत्तेरी सेल्वा कुमार,
चेन्नई,
तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्रांतिकारी उल्लासकर दत्त : जो सेलुलर जेल की यातना से पागल हो गये

देश में ऐसे असंख्य मौन साधक हुए हैं जो नाम-यश की आकांक्षा से दूर मां भारती की सेवा साधना में अविचल अविराम साधनारत हो राष्ट्र यज्ञ में जीवन का कण-कण, पल-पल अर्पित करते रहे हैं। अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध देश के स्वातंर्त्य समर के औप्रज्वलित अग्निकुंड में जीवन की श्वास समिधा समर्पित कर अंग्रेजी सत्ता की नींव उखाड़ भारत माता के प्रति सम्मान और श्रद्धा का अर्ध्य प्रदान किया। किंतु आजादी मिलने के बाद हजारों नायक गुमनामी के अंधेरे में खो गए। इतिहास के पृष्ठों में स्थान न पा सके। समय और उपेक्षा की धूल ऐसी पड़ी कि देश की नई पीढ़ी भी इन भूले बिसरे क्रांतिकारी नायकों से अपरिचित ही रह गई। ऐसा ही एक अपरिचित अद्वितीय क्रांतिकारी है उल्लासकर दत्त जिसे सेलुलर जेल (काला पानी की सजा) की घोर अमानवीय यातना ने पागल बना दिया था। यह वही गुमनाम क्रांतिकारी है जिसके बनाये बम से खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर के मजिस्ट्रेट डगलस किंग्सफोर्ड की गाड़ी पर हमला किया था। संयोग से किंग्सफोर्ड उस गाड़ी में नहीं बल्कि पीछे आ रही दूसरी गाड़ी में था। लेकिन उस हमले में दो अंग्रेज महिलाएं मृत्यु को प्राप्त हुई थीं जो अंग्रेज वकील प्रिंगल केनेडी की पत्नी और बेटी थीं। स्मरणीय है कि बम बनाने में सिद्धहस्त उल्लासकर दत्त ने सेलुलर जेल में जेलर के नियम मानने से इनकार कर दिया था। वह मानते थे कि बागी बागी ही होता है, चाहे वह जेल के बाहर हो या भीतर। नाराज जेलर ने उल्लासकर को घोर यातना दी। फलत- वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठे और पागल हो गये।

परम देशभक्त उल्लासकर दत्त का जन्म 16 अप्रैल, 1885 को बंगाल प्रांत के कलिकाछा गांव में हुआ था जो अब बांग्लादेश में है। लंदन विश्वविद्यालय से कृषि स्नातक पिता द्विजदास दत्त स्वतंत्र सोच के व्यक्ति थे। माता मुक्तकेशी की ममता एवं वात्सल्य की छांव में पले-बढ़े उल्लासकर ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त कर उच्च शिक्षा हेतु कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। यहां से 1903 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर एफ.ए. कक्षा में पहुंच गये। वह शीघ्र ही अपने विचारों के बल पर युवकों में प्रिय हो गए और युवाओं में राष्ट्रभक्ति का भाव जगाने लगे। वह एफ.ए. की परीक्षा में नहीं बैठ सके क्योंकि एक दिन कक्षा में अंग्रेज प्रोफेसर रसेल ने बंगालियों पर अभद्र अपमानजनक टिप्पणी करते हुए भारतीयों का मजाक उड़ाया। देशभक्ति के रंग में डूबे उल्लासकर को भला यह कैसे सहन होता, पलक झपकते ही उसने अंग्रेज के गाल पर जोरदार तमाचा जड़ दिया। परिणामस्वरूप उल्लासकर को कालेज से निकाल दिया गया, क्योंकि यह तमाचा एक व्यक्ति के गाल पर नहीं बल्कि अंग्रेजी सत्ता के क्रूर चेहरे पर पड़ा था और अंग्रेज सरकार इससे तिलमिला गई थी।

कालेज से निष्कासन के बाद वह बम्बई के टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट में प्रवेश ले कपड़ा बुनने की कला एवं तकनीकी सीखने लगे। यहीं पर रसायनों के प्रयोग करने की रुचि जगी। हृदय में देशप्रेम की आग धधकाए मां भारती का वह पुत्र अरविंद घोष की अनुशीलन समिति एवं युगांतर दल से जुड़ गया, जहां उसका परिचय देश के अन्य क्रांतिकारियों से हुआ। वह समय बंग भंग के विरोध और स्वदेशी अपनाने के आग्रह का काल था। स्वदेशी वस्तुएं प्रयोग करने की भावनावश पश्चिमी पोशाक त्याग परम्परागत बंगाली परिधान धोती-कुर्ता धारण कर लिया। बिपिनचंद्र पाल के भाषणों से प्रभावित उल्लासकर दत्त ने इसी दौरान घर पर बनाई प्रयोगशाला में बारूद से घातक बम बनाने में कुशलता हासिल कर ली। इसी अवधि में बिपिनचंद्र पाल की बेटी लीला पाल से सगाई पश्चात विवाह तय था। लेकिन खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी द्वारा 30 अप्रैल, 1908 को किंग्सफोर्ड के ऊपर बम फेंके जाने के बाद 2 मई, 1908 को एक

क्रांतिकारी द्वारा पुलिस का मुखबिर बन जाने से अरविंद घोष, उल्लासकर दत्त, बारीन्द्र घोष, उपेन्द्र बनर्जी सहित तीन दर्जन से अधिक अन्य क्रांतिकारी गिरफ्तार कर लिए गये। प्रफुल्ल चाकी ने पुलिस के हाथ लगने से पहले ही आत्महत्या कर ली और खुदीराम बोस की मुजफ्फरपुर से दूर भागने के दौरान स्टेशन पर गिरफ्तारी हो गयी। उल्लेखनीय है कि यह घटना इतिहास में %अलीपुर बम केस% नाम से जानी जाती है क्योंकि युगांतर दल का बम बनाने का स्थान अलीपुर में था। मई 1908 से मई 1909 तक कलकत्ता में सभी क्रांतिकारियों पर %अलीपुर बम काण्ड% नाम से मुकदमा चलाया गया। साक्ष्यों के अभाव में अरविंद घोष निर्दोष सिद्ध हुए। उल्लासकर दत्त, बारीन्द्र घोष और खुदीराम बोस को फांसी और अन्य को कारावास की सजा सुनाई गई। आगे 11 अगस्त, 1908 को खुदीराम बोस को मुजफ्फरपुर में फांसी पर चढ़ा दिया गया। भारतीय स्वाधीनता इतिहास में सबसे कम उम्र में फांसी पर चढ़ने वाले पहले क्रांतिकारी के रूप में खुदीराम बोस का नाम अमर हो गया। ध्यातव्य है कि अदालत में बयान में अपना पेशा %गायों का चरवाहा% बताने वाले उल्लासकर दत्त मिमिक्री एवं कठपुतली कला में दक्ष थे और इस कला के द्वारा साथी क्रांतिकारियों का मनोरंजन भी करते थे।

बारीन्द्र घोष फांसी की सजा के खिलाफ अपील करने को तैयार थे पर उल्लासकर को स्वीकार न था। लेकिन परिवारजन एवं अन्य क्रांतिकारी साथियों के आग्रह पर अपील पर हस्ताक्षर कर दिये। देशबंधु चितरंजन दास ने केस लड़ा और अपने अकाट्य तर्कों से फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदलवाने में सफल रहे। अदालत द्वारा दोनों क्रांतिकारियों को भारतभूमि से सैकड़ों किलोमीटर दूर सेलुलर जेल में कैद करने का आदेश हुआ और 1909 में उल्लासकर दत्त एवं बारीन्द्र घोष कलकत्ता जेल से सेलुलर जेल स्थानांतरित कर दिये गये। उल्लासकर ने पहली भेंट में ही जेलर को बता दिया कि वह किस मिट्टी के बने हुए हैं। जेलर द्वारा कैदियों से करवाये जाने वाले कार्यो यथा नारियल खोल से नारियल अलग करना, नारियल की रस्सी बटना, कोल्हू में बैल की जगह जुत कर नारियल का मन भर से अधिक तेल निकालना आदि करने से सख्त मना करते हुए कहा कि यह सरकार अवैध है। मैं इसका कोई नियम न मानूंगा और न कोई काम करूंगा। एक दिन ईंट भट्ठे पर काम करने से मना कर देने पर जेलर ने कहा, यह जेल बाहरी जेलों जैसी नहीं है। पहली बार मना करने पर हथकड़ी डाल देंगे, दूसरी बार मना करने पर बेड़ियां जकड़ देंगे और तीसरी बार मना करने पर तीस बेंतों की सजा मिलेगी। और तब जिस्म पर पड़ने वाला हर बेंत तुम्हारे शरीर में एक इंच गहरा घाव कर देगा।÷ उल्लासकर दत्त ने स्वाभिमान से निर्भय हो उत्तर दिया, ÷तुम तीस बेंतों की बात करते हो, तुम मुझे टुकड़े-टुकड़े भी कर दो तब भी तुम मुझसे काम नहीं करा सकते यदि मुझे लगता है कि उसे करना गलत है।÷ क्रूर जेलर ने सिपाहियों को आदेश दिया कि उल्लासकर को हथकड़ी और बेड़ी डालकर धूप में खड़ा रखा जाये। कोठरी में हाथ ऊपर बांधकर खड़ा रखा जाये। सालों तक अनवरत जारी इस अमानवीय यातना से वह बेहोश हो जाते। तेज बुखार से ग्रस्त हो गये और अंततः अपना मानसिक संतुलन खो बैठे। तब स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया पर आराम न मिलते देख 10 जून, 1912 को मद्रास पागलखाने भेज दिया। आगे प्रथम विश्व आरम्भ होने और ब्रिटेन द्वारा विजयी होने पर कैदियों को जेल से छोड़ने का आदेश हुआ। तो 1920 में उल्लासकर दत्त भी सेलुलर जेल से रिहा कर दिये गये। पर मानसिक संतुलन खो जाने से वह देश में इधर-उधर भटकते रहे। पर सेलुलर जेल की कैद एवं यातना से मुक्त वह प्रकृति के सान्निध्य में जीवन यापन करते स्वस्थ हो पुनः लोक जागरण के काम में लग गये। अंग्रेज सरकार की किरकिरी बने तो 1931 में गिरफ्तार कर 18 महीने कैद रखा। कैद से छूट वह अपने गांव चले गये। देश आजाद हुआ। 1957 में बिपिनचंद्र पाल की बेटी लीला पाल से विवाह कर असम के सिलचर में जा बसे। किंतु दाम्पत्य जीवन अधिक न रहा, 1958 में पत्नी लीला का निधन हो गया। उन्होंने द्विपांतरेर कथा और आमार काराजीबन नामक दो पुस्तकें लिखीं जो क्रांतिकारी साहित्य की प्रामाणिक एवं अमूल्य निधि हैं।

17 मई, 1965 को मां भारती का यह साधक पुत्र अपनी मातृ आराधना पूर्ण कर भारत माता कि पावन रज को माथे पर अलंकृत कर मां की गोद में चिरनिद्रा में सो गया। उनकी स्मृति को संजोने हेतु सिलचर और कोलकाता में दो सड़कों के नाम उनके नाम पर रखे गये। सिलचर में उल्लासकर स्मृति उपवन में प्रस्तर स्तम्भ में उनका योगदान अंकित है। राष्ट्रीय स्मारक सेलुलर जेल की चित्र गैलरी में अन्य क्रान्तिकारियों के साथ उल्लासकर दत्त का भी चित्र लगाया गया है। उल्लासकर दत्त का तप एवं त्यागमय बलिदानी जीवन संघर्ष और भारत माता के प्रति किया गया अप्रतिम योगदान हमें सदैव प्रेरित कर कर्तव्य पथ पर बढ़ने का सम्बल देता रहेगा।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,
उत्तरप्रदेश.

मोदी के आत्मविश्वास का कारण क्या है ?

विपक्षी पार्टियां इसे अहंकार कह रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। वाले वर्षों में तब्दील कर दिया। उन्होंने अपने या अपनी पार्टी के लिए सिर्फ अगला कार्यकाल नहीं मांगा है, बल्कि अगले 25 साल यानी पांच कार्यकाल मांगे हैं। ताकि उस अवधि में ऐसे फैसले किए जा सकें, जिनसे स्वर्णिम और भव्य भारत का निर्माण हो। तरह के प्रचार, नैरेटिव और सोशल मीडिया के जरिए समझाया गया है कि मोदी के कार्यकाल में भारत का वैभव बढ़ रहा है और हिंदू राष्ट्र बनाने का वास्तविक अवसर सामने है। उस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना है। उन युवाओं को एक हजार साल में विश्व के अटूट साथी का जुमला बोला। यह पिछले कई बरसों से बनाए जा रहे नैरेटिव का हिस्सा है, जिसमें बार बार कहा जाता है कि मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का महत्व बढ़ा है और दुनिया अब भारत को पहले से ज्यादा सम्मान से देखती है। मोदी ने अपने भाषण

यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस या दूसरी विपक्षी पार्टियों को अपनी बात कहने के लिए भले लाल किले का मंच नहीं मिला है लेकिन हर मंच से वे कह रही हैं कि अगली बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनेगी। अगर विपक्ष का यह कहना कि अगली बार हमारी सरकार बनेगी अहंकार नहीं है तो मोदी का यह कहना कि हम फिर लाल किले से झंडा फहराएंगे अहंकार कैसे है?

असल में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे।

अब सवाल है कि मोदी के इस आत्मविश्वास का क्या कारण है? किस आधार पर उन्होंने लाल किले से यह ऐलान कर दिया कि अगली बार भी वे झंडा फहराएंगे और अपनी उपलब्धियां बताएंगे? इस सवाल का जवाब लाल किले पर दिए उनके 10वें भाषण से ही मिलता है। उन्होंने अपने 10वें भाषण से अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का एजेंडा तो तय किया ही साथ ही भाजपा की ओर से पिछले 10 साल में बनाए जा रहे लोकप्रिय विमर्श को बहुत बड़ा विस्तार दे दिया। पिछले साल यानी आजादी के अमृतवर्ष में लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने 25 साल का विजन रखा था। उन्होंने कहा था कि अगले 25 साल अमृत काल के हैं और 2047 में जब देश की आजादी के एक सौ साल पूरे होंगे तब तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। एक साल के बाद उन्होंने इस 25 साल को अगले एक हजार साल के स्वर्णिम और भव्य भारत के निर्माण की आधारशिला बनाने वाले वर्षों में तब्दील कर दिया।

इसका मतलब है कि अब भारत को सिर्फ विकसित राष्ट्र नहीं बनाना है। विकसित राष्ट्र तो दुनिया में बहुत से हैं। अब वैसा स्वर्णिम और भव्य भारत बनाना है, जो एक हजार साल की गुलामी से पहले था। प्रधानमंत्री ने बहुत बारीक तरीके से यह बात कही। पहले उन्होंने एक हजार साल की गुलामी का जिक्र किया, जिसका नैरेटिव राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की ओर से दशकों से बनाया जाता रहा है। एक हजार साल की गुलामी का मतलब है आठ सौ साल मुसलमान शासकों की गुलामी और दो सौ साल अंग्रेजों की गुलामी। इसका जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक हजार साल पहले एक छोटे से राज्य में एक राजा की पराजय हुई थी और उस हार ने एक हजार साल के लिए भारत की गुलामी का भविष्य तय कर दिया था। उनके यह कहानी बताने का मकसद यह था कि फिर वैसी हार नहीं होनी चाहिए, जिससे गुलामी का भविष्य बने। इस नैरेटिव का दूसरा पहलू यह है कि एक हजार साल की गुलामी से पहले का भारत कैसा था? वह स्वर्णिम था, भव्य था और उसमें मुस्लिम, ईसाई, सिख कोई नहीं था। वह आर्थिक रूप से समृद्ध एक हिंदू राष्ट्र था।

प्रधानमंत्री ने एक हजार साल की गुलामी का इतिहास और अगले हजार साल के भविष्य का नैरेटिव सेट करने के तुरंत बाद युवा शक्ति की बात की। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने ऐसा अवसर है, जैसा कभी किसी के आगे नहीं रहा होगा। साथ ही उन्होंने उम्मीद भी जताई कि युवा इस अवसर को गंवाएंगे नहीं। वे चाहे जिस संदर्भ में युवाओं के अवसर की बात कर रहे हों लेकिन असल अपील यह थी कि युवाओं के सामने फिर से मोदी सरकार चुनने का अवसर का है।

ध्यान रहे पिछले 10 साल में देश के युवाओं के बड़े समूह को कई तरह के प्रचार, नैरेटिव और सोशल मीडिया के जरिए समझाया गया है कि मोदी के कार्यकाल में भारत का वैभव बढ़ रहा है और हिंदू राष्ट्र बनाने का वास्तविक अवसर सामने है। उस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना है। उन युवाओं को एक हजार साल में स्वर्णिम, भव्य और गौरवशाली भारत बनाने का सपना आकर्षित करेगा। ध्यान रहे मोदी उम्मीदों या आकांक्षाओं की राजनीति करने में सबसे माहिर राजनेता हैं। इससे पहले के दोनों चुनाव अभियान में उन्होंने देश के लोगों की आकांक्षाओं को बहुत अच्छे तरीके से इस्तेमाल किया। अब उन्होंने नई आकांक्षाएं पैदा कर दी हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें वे ही पूरा कर सकते हैं।

उनके आत्मविश्वास को जाहिर करने वाली दूसरी अहम बात उनके भाषण में यह थी कि उन्होंने 2014 और 2019 के चुनावों में भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत का जिक्र किया और कहा कि उससे पहले की 30 साल की राजनीतिक अस्थिरता से सबक सीख कर देश के लोगों ने स्थिर सरकार चुनी थी। मोदी ने कहा कि लोगों ने पूर्ण बहुमत की सरकार फॉर्म की तो सरकार को रिफॉर्म करने की हिम्मत मिली, जिससे देश ट्रांसफॉर्म हुआ। इसके कंट्रास्ट में दूसरी ओर देखेंगे तो अपने आप इस नैरेटिव का महत्व समझ में आएगा। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में कोई पार्टी ऐसी नहीं दिख रही है, जो बहुमत के आसपास भी पहुंच सके। 1991 के बाद पिछले 32 साल में कांग्रेस का सबसे अच्छा प्रदर्शन 207 सीट का रहा है। सो, सबको अंदाजा है कि विपक्ष की सरकार अगर बनती है तो वह खिचड़ी सरकार होगी। यह अलग बात है कि 2014 से पहले की खिचड़ी सरकारों ने ज्यादा बेहतर काम किया था और लोकतंत्र को ज्यादा मजबूत किया था। लेकिन जनता आमतौर पर उतने वस्तुनिष्ठ तरीके से नहीं सोचती है। उसके सामने मोदी ने स्थिर और मजबूत सरकार बनाम कमजोर और खिचड़ी सरकार चुनने का विकल्प पेश किया है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विश्वगुरू की बजाय विश्वमित्र या विश्व के अटूट साथी का जुमला बोला। यह पिछले कई बरसों से बनाए जा रहे नैरेटिव का हिस्सा है, जिसमें बार बार कहा जाता है कि मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का महत्व बढ़ा है और दुनिया अब भारत को पहले से ज्यादा सम्मान से देखती है। मोदी ने अपने भाषण में बताया कि कैसे दुनिया भारत के विकास को लेकर चमत्कृत है और भारत के साथ जुड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि जैसे दूसरे महायुद्ध के बाद एक नई विश्व व्यवस्था बनी थी वैसे ही कोराना के बाद एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है, जिसमें भारत का अहम स्थान है और यह उनकी वजह से संभव हुआ है। सोचें, इस पैमाने पर मोदी के मुकाबले विपक्ष के पास कौन नेता है? प्रधानमंत्री ने इस बार अपने भाषण में देश के 140 करोड़ लोगों को 'प्रिय परिवारजन' कह कर संबोधित किया। देश की बहुसंख्यक आबादी का बड़ा हिस्सा, जो मोदी को पिछले करीब ढाई दशक से हिंदू हृद्य सम्राट के रूप में देखता है उस समूह को यह संबोधन मोदी के और करीब ले आएगा।

इसके अलावा जो बातें हैं वह तो हैं ही। मोदी ने 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने अपने प्रचार के दम पर और मीडिया की मदद से समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका जवाब देना होगा। इसके अलावा सरकार की योजनाएं हैं, करोड़ों लाभार्थी हैं, भाजपा की मशीनरी है, संसाधन है, मोदी का व्यक्तित्व है, उनकी प्रचार करने और भाषण देने की असीमित क्षमता है और ऐसी अनेक चीजें हैं, जो उनको आत्मविश्वास देती हैं। हालांकि चुनाव में यह सब होना भी जीत की गारंटी नहीं होती है। भारत में पहले कई बार ऐसा हो चुका है कि जब सत्ता में बैठे नेता जीत के सर्वाधिक भरोसे में होते हैं तो जनता उनको झटका देती है। सो, मोदी का आत्मविश्वास अपनी जगह है और मतदाताओं का फैसला अपनी जगह होगा, जो किसी वजह से अलग भी हो सकता है।

-अजीत द्विवेदी-

कोरिया सहित एमसीबी नवीन जिले के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के नामों की हुई घोषणा,विधानसभा अध्यक्ष के करीबी हैं दोनों

जिलाध्यक्ष बने वाले प्रदीप गुप्ता व अशोक श्रीवास्तव दोनों वर्तमान में सांसद प्रतिनिधि

घटती-घटना खबर पर लगी मोहर
कोरिया से प्रदीप गुप्ता व एमसीबी से अशोक श्रीवास्तव बने जिलाध्यक्ष

कोरिया के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष किस तरह दिलाएंगे विधायक प्रत्याशी को जीत,जबकि खुद की एक चुनाव में जब्त हो चुकी है उनकी जमानत

कोरिया जिले के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को बैकुंठपुर विधायक का भी मिला समर्थन,एमसीबी जिलाध्यक्ष बनाए गए अशोक श्रीवास्तव की मनेंद्रगढ़ विधायक से बनी चली आ रही है दूरी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कई जिलों के जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष बदल दिए वहीं कई नवीन जिलों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कर दी, यह नियुक्तियां और यह बदलाव होने हैं यह कई महीनों से चली आ रही पार्टी की ही अंदरूनी चर्चा और जारी प्रयास था जो आज मूर्त रूप में दिखा जब घोषणा भी हुई और आदेश भी जारी कर दिया गया। प्रदेश के जिन नवीन जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए उनमें से नवीन जिला मनेंद्रगढ़ भी एक जिला है जहां नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति हुई, क्योंकि जिला गठन और उसके अस्तित्व में आने के बाद भी अब तक वहां नियुक्ति नहीं हो सकी थी और जो पार्टी को करनी अनिवार्य थी जो पार्टी ने किया भी वहीं कोरिया जिले के जिलाध्यक्ष को हटाकर किसी अन्य को जिम्मा दिया जायेगा और यह भी चर्चा लगातार चलती आ रही थी और वह भी इस जारी आदेश में मूर्त रूप में नजर आई और कोरिया जिले के जिलाध्यक्ष की छुट्टी कर नए को जिम्मेदारी दे दी गई।

कोरिया जिल में लगातार जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सम्हाल रहे नजीर अजहर की छुट्टी करते हुए पार्टी ने बैकुंठपुर शहर के प्रदीप गुप्ता को जिम्मेदारी प्रदान की वहीं नवीन जिला एमसीबी के लिए अशोक श्रीवास्तव का नाम पार्टी ने घोषित कर दिया जो जारी आदेश

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरबा-कोरिया-एमसीबी-कुसमी-समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 12 जुलाई 2023 | 6

कोरिया कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी मिल सकती है प्रदीप गुप्ता कोःसूत्र

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बहोत जल्द बदले जा सकते हैं,हो सकती है नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति

अनुसार देखा जा सकता है। कोरिया जिला विभाजन के बाद यह तय था की नवीन जिले में नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की ही जानी है वहीं कोरिया जिलाध्यक्ष जिनके कार्यकाल में अविभाजित कोरिया जिले की तीनो विधानसभा सीट कांग्रेस के खाते में डालने वाले जिलाध्यक्ष की छुट्टी सवाल खड़ा कर गई की आखिर क्यों एक ऐसे जिलाध्यक्ष की छुट्टी कर दी गई जो पार्टी के लिए जिताऊ साबित हुआ था और जिसका नेतृत्व अब तक सफलता दिलाता चला आ रहा था,वैसे इस बीच विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस पार्टी कोरिया जिले में कई महत्वपूर्ण चुनाव हार गई थी और वह एक कारण माना जा रहा है की जिलाध्यक्ष की छुट्टी इसीलिए हुई जिसमे जिला पंचायत अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष,सहित सदस्य का चुनाव,जनपदों में हुए चुनाव जिनमे पार्टी अपना अध्यक्ष उपाध्यक्ष बैठा तो सकती थी लेकिन सामंजस्य के अभाव में वह कई जगह अध्यक्ष का पद खो बैठी कहीं उपाध्यक्ष का वहीं नगर पालिका चुनाव जिसमे बहुमत होकर भी पार्टी कहीं अध्यक्ष का पद खो बैठी और कहीं उपाध्यक्ष का, वैसे इसकी जिम्मेदारी केवल जिलाध्यक्ष की ही थी यह कहना गलत होगा क्योंकि विधायक इन चुनावों में स्वयं सामंजस्य बैठाने और निर्णय लेने सक्रिय नजर आते थे और उन पर इसका ठीकरा नहीं फूटा जिलाध्यक्ष अकेले निपट गए जो कहीं न कहीं एक सवाल है।

कोरिया एमसीबी जिलाध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष समर्थक,दोनों वर्तमान में सांसद प्रतिनिधि भी हैं

कोरिया जिले के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष साथ ही एमसीबी जिलाध्यक्ष जिन्हे बनाया गया है क्रमशः प्रदीप गुप्ता और अशोक श्रीवास्तव दोनो ही विधानसभा अध्यक्ष के समर्थक हैं वहीं दोनो ही विधानसभा अध्यक्ष की धर्मपत्नी जो क्षेत्रीय सांसद भी हैं उनके प्रतिनिधि भी हैं और इस हिसाब से जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में पूरी तरह विधानसभा अध्यक्ष का ही चला ऐसा कहा जा सकता है इन दो जिलों को लेकर। विधानसभा अध्यक्ष ने दोनो जिलों में अपने समर्थकों को जिलाध्यक्ष बनाकर यह भी जता दिया की कोरबा लोकसभा क्षेत्र में कोई भी निर्णय केवल उनका ही मान्य होगा।

बैकुंठपुर विधायक का है कोरिया जिलाध्यक्ष को समर्थन वहीं एमसीबी जिलाध्यक्ष की मनेंद्रगढ़ विधायक से बनी हुई है लगातार दूरी

कोरिया जिले से प्रदीप गुप्ता को जिलाध्यक्ष बनाया गया है जिन्हे विधायक ने भी बैकुंठपुर के समर्थन दे दिया है वहीं एमसीबी जिलाध्यक्ष जिन्हे बनाया गया है उनकी मनेंद्रगढ़ विधायक से लगातार दूरी बनी चली आ रही है और जो जग जाहिर सी बात है ऐसे में बैकुंठपुर विधायक के चुनाव लड़ने की स्थिति में कोरिया जिलाध्यक्ष से तो उनका सामंजस्य स्थापित हो जायेगा लेकिन एमसीबी जिलाध्यक्ष से मनेंद्रगढ़ विधायक का सामंजस्य कैसे बनेगा यह बड़ा सवाल है।

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कितने होंगे विधायक के लिए चुनाव में फायदेमंद जबकि वह खुद एक चुनाव में करा चुके हैं अपनी जमानत जब्त

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की जिम्मेदारी जिन्हे मिली है वह विधायक के लिए चुनाव में कितने फायदेमंद होंगे जबकि वह एक चुनाव में खुद सहित पार्टी की जमानत जब्त करा चुके हैं। क्या वह संगठन साथ ही नाराज उन कांग्रेसियों को मना सकेगें जिनकी मंशा विधानसभा में दावेदारी की थी या है और उन्हे टिकट मिलना पार्टी से असंभव है। वैसे पार्टी के अंदर ही चल रही चर्चा अनुसार कोरिया जिले से यदि योगेश शुक्ला जैसे कद्दावर कांग्रेसी को जिलाध्यक्ष बनाया गया होता वह पार्टी को एकजुट कर पाने में सफल हो जाते और वह चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में एक आम राय स्थापित कर पाते जबकि नव नियुक्त अध्यक्ष संगठन चलाने के मामले में फिलहाल अनुभव हीन ही नजर आ रहें हैं जो पार्टी के लोगों का ही अंदरूनी विचार है।

शहर से बाहर कोरिया जिले के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष नहीं रखते अपनी पहचान,नहीं होगा चला पाना संभव उनके लिए जिलाध्यक्ष की कमान

नव नियुक्त कोरिया जिलाध्यक्ष शहर से बाहर पहचान अपनी नहीं रखते और वह शहर के ही भीतर जाने पहचाने जाते हैं वहीं कोरिया जिले का एकमात्र विधानसभा पोड़ी बचरा तक विस्तृत भी है जहां उन्हें जानने वाले कांग्रेसी भी होंगे यह लगता नहीं अब ऐसे में वह मिली जिम्मेदारी कैसे चला पाएंगे कम समय जबकि चुनाव समीप है वह पार्टी के ही लोगों से सभी जगह कैसे मिलकर चुनाव के लिए पार्टी के लिए माहौल बना पाएंगे यह बड़ा सवाल है।

अनिल निराला कांग्रेस के बड़े नेता थे...पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने नवप्रवेशियों का किया स्वागत

अनिल निराला ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा

कार्यक्रम को देवनाथ सिह ने भी किया सम्बोधित

निराला के साथ भाजपा ज्वाइन करने वालों में बीडीसी मोतीलाल भगत पूर्व बीडीसी सनियारों सनवानी, तजिंदर सिंह बेदी, सिराज खान संतोष दास गंगाराम बिंदेश्वर सिंह दिलीप कुमार चौहान संतोष लाकड़ा सुरेश पैकरा राकेश अग्रवाल कैटरीना लकड़ा रामप्रसाद भगत जमील खान जीतन राम मांझी पुरुषोत्तम सिंह जयंत कुमार रवि शंकर उदयनाथ विनोद कुमार चौहान तथा शैलेंद्र प्रमुख थे। कार्यक्रम में प्रबोध मिंज, आलोक दुबे, रामकुमार अग्रवाल, रोशन गुप्ता, राजा राम भगत, गोपाल राम, अनिल सिंह, अनिल अग्रवाल, श्रवण दास, रजनीश पांडे, भगतसिंह, सेत कुमार बड़ा, जयभगवान अग्रवाल, बंसीधर उरांव, नेमलाल गुप्ता, शंकर अग्रवाल, सुनील गुप्ता, प्रभात खलखो, ललिता तिर्की, नीरू मिस्त्री, स्नेहलता गुप्ता, सरोज गुप्ता, संगीता कंसारी, आशीष गुप्ता, रंजीत गुप्ता, बिन्देशवरी पैंकरा, प्रदुमन पैंकरा, अंकित तिर्की, धर्मु अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

-संवाददाता-
सीतापुर,18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

भाजपा सरगुजा का आयोजन नवप्रवेशी कार्यकर्ता सम्मेलन अग्रसेन भवन सीतापुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा में प्रवेश कर रहे कार्यकर्ताओं को फूल माला पहना कर स्वागत किया। सीतापुर क्षेत्र के प्रमुख कांग्रेसी नेता अनिल निराला ने बड़ी संख्या के साथ कांग्रेस का दामन छोड़ कर भाजपा में प्रवेश किया। सीतापुर क्षेत्र में अनिल निराला कांग्रेस के बड़े नेता थे। पूर्व में सरपंच संघ जिला अध्यक्ष, एनएसयूआई सचिव, आदिवासी विकास परिषद उपाध्यक्ष, यूथ कांग्रेस आमंत्रित सदस्य, जिला किसान कांग्रेस सचिव तथा उरांव समाज ब्लॉक सचिव सहित विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। अब वे भाजपा के हो गए। बृजमोहन अग्रवाल ने 500 लोगों के साथ उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया। कार्यकताओ को सम्बोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की नाकामी और भ्रष्ट सरकार से ऊब चुकी है, और अब जनता बदलाव चाहती है। छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस की वादाखिलाफी से त्रस्त हो गई है, और भाजपा के तरफ विश्वास के साथ बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर चुनाव लडना है और इस बार सीतापुर में कमल खिलाना है। भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि सीतापुर क्षेत्र की जनता के साथ कांग्रेस ने हमेशा छल किया है, अब लोग कांग्रेस से दूर भागने लगे हैं।

इस दौरान आगे उन्होंने कहा कि राजनीतिक पृष्ठभूमि परिवार से संबंध रखने वाले निराला के भाजपा में प्रवेश से सीतापुर क्षेत्रवासियों को बल मिला है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व मंत्री के स्वागत में बमलाया चौक से मोटरसाइकिल रैली निकाल कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल सिंह मेजर ने कहा कि अनिल निराला लंबे समय से कांग्रेस में थे, क्षेत्र की उपेक्षा और कांग्रेस तथा स्थानीय विधायक के दोहरे चरित्र से त्रस्त थे। अपने संबोधन में ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि इस क्षेत्र की जनता कांग्रेस सरकार और उसके मंत्री को समझ चुके हैं और आने वाले चुनाव में सबक सिखाएंगे। नव प्रवेशी अनिल निराला ने कहा कि भाजपा के रीति नीति और आदर्श से हम सब प्रभावित हैं, हम सब मिल कर भाजपा को जिताने कुछ भी करेंगे। उन्होंने भाजपा को भारी बहुमत से जिताने का आह्वान किया।

डीएम नान पर राइस मिल के संचालक ने चावल जमा करने के नाम पर रुपए मांगने का लगाया गंभीर आरोप

संचालक ने मुख्यमंत्री सहित मंत्री व प्रशासनिक अधिकारियों से की लिखित शिकायत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 अगस्त 2023 (घटती घटना)

अंबिकापुर। मां महामाया फुड प्रोडक्ट ग्राम बहेराडीह लुण्ड्रा के राईस मिल संचालक रामदास हांडा ने डीएम नान पर चावल जमा करने के नाम पर प्रति लॉट 5 रुपए की मांगा करने का गंभीर आरोप लगाया है। मिल संचालक ने मामले की लिखित शिकायत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित मंत्री व प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र के माध्यम से की है।संचालक रामदास का आरोप है कि डीएम नान चावल खाली करवाने के नाम पर 5 हजार रुपए प्रति लॉट रुपए मांगा जाता है। लगभग 30-32 लॉट का पैसा मेरे द्वारा व्यक्तिगत में दिया गया है तथा जो पैसा मेरे द्वारा पहले दिया गया है उसकी दिनांक समेत मेरे पास ब्योरा है। अतः अब मैं पैसा देने में असमर्थ हूं। उन्होंने शिकायत में बताया है कि 17 अगस्त को भी मेरे द्वारा मेण्ड्राकला गोदाम में चावल भेजा गया और मेरी आधी गाड़ी खाली लगभग 215 बोरा करवाकर मुझे अपने गोदाम के कर्मचारी से फोन करवाया कि तुम्हारा चावल खाली नहीं करवाया जायेगा, तुम 5 हजार रुपए प्रति लॉट का पैसा नहीं दीए हो। अपना चावल वापस लोड करके ले जाओ।

व्यक्तिगत तरीके से मांगा जाता है पैसा

ज्ञापन में आगे आरोप लगाते हुए बताया गया कि मां महामाया फुड प्रोडक्ट ग्राम बहेराडीह तह लुण्ड्रा जिला सरगुजा में राईस मिल चलाता हूं। मेरे द्वारा खरीफ वर्ष 2022-23 में लगभग 58 हजार क्यूंटल धान का डिओ कटवाया गया जिसमें मुझे चावल जमा करने में डीएम नान द्वारा बार बार परेशान किया जाता है। जब जब मैं चावल जमा करने के लिये भेजता हूं, तो कभी मेरा चावल खाली नहीं करवाया जाता है कभी मेरा चावल को क्वालिटी हल्का बोलकर रिजेक्टर कर दिया जाता है। और उसी प्रकार का उसी क्वालिटी का चावल बाकी मिलरों का जमा किया जाता है और हर बार मुझे डीएम नान द्वारा मुझसे प्रति लॉट चावल का पैसा व्यक्तिगत तरीके से मांगी जाती है।

मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग

संचालक ने मांग कि है कि उक्त मामले का जांच कराया जाना न्यायहित में आवश्यक है। यदि मेरे द्वारा दी गई उक्त जानकारी यदि गलत होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी उसकी जो भी कार्यवाही होगी मुझे मान्य होगा। उक्त मामले का जांच कराकर मुझे न्याय दिलाया जाये।

पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 अगस्त 2023 (घटती घटना)

केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी की तबियत शुक्रवार की सुबह अचानक बिगड़ गई। जेल स्टाफ द्वारा उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार संदीप उर्फ पिता स्व. बोटीलालाल उम्र 34 वर्ष उर्जा नगर जरही सूरजपुर में रहता था। मूल निवासी कोरबा जिले का था। पत्नी की हत्या के मामले में धारा 302, 201 के तहत अगस्त 2014 में सूरजपुर जिला न्यायालय में आजीवन कारावास की सूजा सुनाई गई थी। सजा सूनाए जाने के बाद 11 सितंबर 2014 को उसे केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में स्थानांतरित किया गया था। तब सह वह यहां आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। 18 अगस्त की सुबह केन्द्रीय जेल में ही उसकी तबियत अचानक विगड़ गई। जेल कर्मचारी द्वारा उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कांग्रेस की ओर से उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने अंबिकापुर विधानसभा सीट के लिए पेश की दावेदारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

छत्तीसगढ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की ओर से अम्बिकापुर सामान्य सीट से दावेदारी के लिये पार्टी के समक्ष अपना आवेदन शुक्रवार को प्रस्तुत कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री की ओर से अम्बिकापुर सीट के लिये उनका आवेदन उनके प्रतिनिधी के रुप में पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसे ब्लॉक कांग्रेस

कमेटी अम्बिकापुर शहर के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अम्बिकापुर ग्रामीण विनय शर्मा द्वारा स्वीकार किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 18 से 22 अगस्त तक विधानसभाओं के दावेदारों की ओर से आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन विधानसभाओं के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है। आवेदन प्रस्तुत करने के प्रथम दिन जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन अम्बिकापुर विधानसभा सीट के लिए उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की ओर से आवेदन आया है। उपमुख्यमंत्री के दावेदारी के दौरान समर्थन में बड़ी मात्रा में जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजीव भवन में मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री के जयजयकार के नारों के बीच उनका आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, महापौर डॉ. अजय तिर्की, मो. इस्लाम, अरविंद सिंह, संजय विश्वकर्मा, संध्या रवानी, सीमा सोनी, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, वीनू जायसवाल, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, अजय सिंह, विकल झा, अशफाक अलि, गुरुप्रित सिद्धू, आशीष वर्मा, अनूप मेहता, आलोक सिंह,चंद्रभूषण सिंह, मो. कलीम अंसारी, शमा परवीन, मो. काजू खान, नुजहत फातमा, रुही गजाला, गीता प्रजापति, गीता श्रीवास्तव, पूर्णिमा सिंह, सरला राय, पायल अग्रवाल, शकीला, हिमांशु जायसवाल, राजनीश सिंह, शुभम जायसवाल, रेहान रजा, राजन सिंह, विकास केशरी सहित काफी संख्या में समर्थक मौजूद थे।

खंड चिकित्सा अधिकारी ने मनाया अपना जन्मदिन

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 18 अगस्त 2023 (घटती घटना)

खंड चिकित्सा अधिकारी बतौली डॉ. संतोष सिंह ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में मानव जीवन ज्योति नेत्रहीन विद्यालय कुनकुरी में अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस दौरान बच्चों एवं समस्त स्टाफ को फल वितरण किया गया। संस्था को 5 हजार रुपए का चेक दिया गया। इस उपलक्ष्य में संस्था के प्रभारी द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी को साधुवाद दिया गया एवं दोबारा आने हेतु निवेदन किया गया।

अंधेरा फैलाने वाली ताकतों का समर्थन नहीं करेगी सरकार

कार्यवाहक PM ने की ईसाइयों पर हमले की निंदा

इस्लामाबाद, 18 अगस्त 2023। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर ने पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक ईसाइयों पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि उनकी अंतरिम सरकार समाज में अंधेरा फैलाने वाली ताकतों का समर्थन नहीं करेगी। पंजाब देश में मुस्लिम बहुल प्रांत है।

लाहौर से 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले के जारनवाला कस्बे में ईशनिंदा के आरोपों को लेकर भीड़ ने बुधवार को 21 गिरजाघरों और ईसाइयों के 35 घरों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

संघीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान काकर कहा कि इस देश में अल्पसंख्यकों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा, एक वर्ग के द्वारा हाशिए पर पड़े लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा सकती है, लेकिन इसका सख्ती से जवाब दिया जाएगा। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तान सरकार और समाज ऐसे तत्वों से मेल नहीं खाता। वे हमसे हो सकते हैं, लेकिन वे हमसे अलग है, वे हमारी पहचान प्रक्रिया से अलग हैं। हम अंधेरे की ताकतों के साथ खड़े नहीं हैं।

12 अगस्त को पदभार संभालने वाले काकर ने कहा, हम अतिवाद को इस समाज में मजबूती से हतोत्साहित करेंगे, चाहे वह किसी भी रूप में हो। हम अंधेरे की ताकतों के पक्ष में नहीं खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उन पर अंकुश लगाया जाएगा और उन्हें कानून द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

जिओ न्यूज ने उनके हवाले से कहा, जब एक समूह बहुमत में है, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अल्पसंख्यकों की रक्षा की जाए। लेकिन इस आधार पर नहीं कि वे आपके विश्व दृष्टिकोण में परिवर्तित हो जाएंगे। उनका भरण-पोषण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। काकर ने यह भी माना कि अंतरिम सरकार के पास राष्ट्र की सेवा करने के लिए सतत जनादेश नहीं है, लेकिन वह नई पहलों का समर्थन करने की कोशिश करेंगे।

काकर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अल्लाह उन्हें अंतरिम अवधि में पाकिस्तान का नेतृत्व करने और चलाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यवाहक ढांचा पिछली सरकारों द्वारा की गई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को जारी रखने के लिए नींव रखने की कोशिश करेगा।

कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कहा, हम नई पहलों का समर्थन करने की कोशिश करेंगे, जो भी कानून और संविधान हमें करने की अनुमति देता है। गुरुवार को शपथ लेने वाले नए मंत्रिमंडल को आम चुनावों तक देश को चलाने का काम सौंपा गया है, जो नवंबर से आगे टल सकते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन करने का फैसला किया है। संसद के 342 सदस्यीय निचले सदन का पांच साल का कार्यकाल 12 अगस्त को समाप्त होने वाला था। लेकिन, तत्कालीन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चुनाव कराने के लिए 90 दिन का समय पाने के लिए नेशनल असेंबली को निर्धारित अवधि से तीन दिन पहले ही भंग कर दिया था।

भारतीय मूल के थरमन सहित तीन लोग राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के लिए योग्य,एक सिंतबर को होगा चुनाव

सिंगापुर, 18 अगस्त 2023 । सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम और सरकार से जुड़ी कंपनियों के दो चीनी मूल के पूर्व अधिकारियों ने एक सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है। इसकी घोषणा शुक्रवार को की गई। चुनाव विभाग (ईएलडी) ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव समिति (पीईसी) को गुरुवार की समय सीमा तक पात्रता प्रमाणपत्र के लिए कुल छह आवेदन प्राप्त हुए।

सिंगापुर ने पहले कहा था कि अगर एक से अधिक व्यक्ति राष्ट्रपति पद के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं तो वह एक सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव कराएगा। निवर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह साल का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त होगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में अर्हता प्राप्त करने वाले दो चीनी मूल के मुख्य निवेश अधिकारी एनजी कोक सोंग और पूर्व एनटीयूसी आय मुख्य कार्यकारी टैन किन लियान हैं।

चुनाव विभाग ने कहा कि थर्मन ने सार्वजनिक क्षेत्र के सेवा ट्रैक के तहत अपनी उम्मीदवारी पेश की, जबकि एनजी कोक ने सार्वजनिक क्षेत्र के विचार-विमर्श ट्रैक के तहत आवेदन किया और टैन किन ने निजी क्षेत्र के विचार-विमर्श ट्रैक के तहत आवेदन किया है।

26 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी शुरू करने वाले थर्मन ने सार्वजनिक क्षेत्र की सेवा आवश्यकताओं को पूरा किया। इसके लिए जरूरी कम से कम तीन वर्षों तक मंत्री के रूप में उन्होंने पद संभाला है। 66 वर्षीय थर्मन ने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए पिछले महीने सार्वजनिक और राजनीतिक पदों से इस्तीफा दे दिया था। 2001 में राजनीति में शामिल होने से पहले थर्मन मुख्य रूप से सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण में एक अर्थशास्त्री और सिविल सेवक थे।

उन्होंने शिक्षा और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया और 2011 से 2019 तक देश के उपप्रधान मंत्री रहे। एनजी, टैन और थर्मन के लिए अगला कदम उम्मीदवारों के रूप में नामांकित होना है। उन्हें अपना नामांकन पत्र - पात्रता प्रमाण पत्र, सामुदायिक प्रमाण पत्र और राजनीतिक में योगदान के प्रमाण पत्र के साथ 22 अगस्त को नामांकन के दिन जमा करना होगा।

ईएलडी ने उन उम्मीदवारों के नाम नहीं बताए हैं जो राष्टपति पद की दौड़ के लिए अर्हता प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि व्यवसायी जॉर्ज गोह उन लोगों में से हैं, जो योग्यता आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते। गोह पिछले एक महीने से प्रचार कर रहे थे।

ईएलडी ने कहा, लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष ली त्जु यांग की अध्यक्षता वाली और सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों सहित छह सदस्यीय पीईसी इस बात से संतुष्ट है कि एनजी, टैन और थर्मन ईमानदार, अच्छे चरित्र और प्रतिष्ठा वाले व्यक्ति हैं।

सोना तस्करी मामले में दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, 60 किलो सोना कस्टम से करा लिया था पार

काठमांडू, 18 अगस्त 2023 । नेपाल की केंद्रीय जांच एजेंसी सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (ष्टढ्ढक्च) ने शुक्रवार को सोना तस्करी मामले में दो चीनी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। इस तरह सोना तस्करी मामले में अब तक कुल 23 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार किए गए लोग कथित तौर पर 60 किलो सोने की तस्करी में शामिल थे। गिरफ्तार किए गए चीनी नागरिकों की अभी तक पहचान उजागर नहीं की गई है।

कस्टम से पार करा लिया था तस्करी किया हुआ सोना

सीआईबी के प्रवक्ता कुबेर कदायत ने बताया कि दोनों चीनी नागरिकों के खिलाफ सोने की तस्करी और संगठित अपराध की धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा। सीआईबी से पहले नेपाल के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू इन्वेस्टिगेशन (डीआरआई) ने 19 दिनों तक मामले की जांच की और बाद में जांच की जिम्मेदारी सीआईबी को सौंपी गई। बता दें कि बीती 18 जुलाई को डीआरआई ने काठमांडु के सिनामंगल इलाके से तस्करी कर लाया गया सोना जब्त किया था। पूछताछ में पता चला कि यह सोना काठमांडु के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कस्टम जांच से बच गया था।

60 किलो सोना बरामद

सोने को आठ सीलबंद डिब्बों में रखा गया था। जब्ती के समय सीलबंद डिब्बों का कुल वजन 155 किलोग्राम था। बाद में इन डिब्बों को नेपाल के केंद्रीय बैंक के मिंट विभाग को तौलने के लिए भेजा गया। जांच में जब्त किए गए कुल सोने का वजन 60 किलो निकला। बता दें कि तस्करों ने सोने को पिघलाकर उसे मोटरसाइकिल के ब्रेक शूज में छिपाकर रखा था। अब ब्रेक शूज को पिघलाकर जो कुल सोना निकाला गया है, उसका वजन 60 किलो निकला है।

शी जिनपिंग 15 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा,दक्षिण अफ्रीका का चार दिवसीय राजकीय दौरा करेंगे

बीजिंग, 18 अगस्त 2023 । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में होने वाले 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और 21 से 24 अगस्त तक दक्षिण अफ्रीका की राजकीय यात्रा करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने इसकी पुष्टि की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक ऑनलाइन बयान में कहा, दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में होने वाले 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और 21 से 24 अगस्त तक देश की राजकीय यात्रा करेंगे।÷ प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक ऑनलाइन बयान में कहा। इस साल मार्च में रूस की आधिकारिक राजकीय यात्रा के बाद यह शी जिनपिंग की 2023 में दूसरी अंतरराष्ट्रीय यात्रा होगी। चीनी राष्ट्रपति ने इससे पहले 2018 में दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था

और उन्होंने अफ्रीका में अपने देश के राजनयिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने की कोशिश की थी।

खनिजों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा और यूक्रेन में युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय विभाजन के बीच पश्चिमी देश, रूस और चीन प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिससे अफ्रीका एक नए राजनयिक युद्ध के मैदान के रूप में उभरा है। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री नलेदी पंडोर (ह्रड्डद्यद्गस्र क्क्रुठ्ठस्रशह्) ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि ब्राजील, चीन, भारत और दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख और रूस के शीर्ष राजनयिक 22-24 अगस्त को ÷ब्रिक्स और अफ्रीका÷ विषय पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होंगे।

ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स के पांच देश हैं, जो अगले सप्ताह जोहान्सबर्ग में मिलेंगे और इस बात पर चर्चा करेंगे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक चौथाई हिस्सेदारी रखने वाले इन देशों के एक ढीले क्लब को एक भूराजनीतिक ताकत में कैसे बदला जाए, जो विकसित दुनिया के प्रभुत्व को चुनौती दे सके। यूक्रेन में कथित युद्ध अपराधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व्यक्तिगत रूप से भाग लेने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लेंगे।

दक्षिण अफ्रीका में सभी अफ्रीकी राज्यों सहित कुल 69 देशों को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है और सम्मेलन में विस्तार का एजेंडा शीर्ष पर रहने की उम्मीद है। अल्जीरिया, सऊदी अरब, अर्जेंटीना और इथियोपिया सहित अन्य देशों ने औपचारिक या अनौपचारिक रूप से समूह में शामिल होने में रुचि दिखाई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावः भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी के मुरीद हुए एलन मस्क,बताया 'होनहार उम्मीदवार'

वॉशिंगटन, 18 अगस्त 2023 । अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद के चुनाव होने हैं। इसके लिए कई भारतीय मूल के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें विवेक रामास्वामी भी शामिल हैं। बता दें कि विवेक रामास्वामी लगातार अमेरिकी जनता के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं और उन्हें अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए तगड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है। अब दुनिया के टॉप अरबपतियों में शुमार एलन मस्क ने भी विवेक रामास्वामी की तारीफ की है और उन्हें राष्ट्रपति चुनाव के लिए होनहार उम्मीदवार बताया है।

एलन मस्क ने की तारीफ

बता दें कि एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विवेक रामास्वामी का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में विवेक रामास्वामी मशहूर पत्रकार टकर कार्लसन से बात करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में एलन मस्क ने लिखा कि %यह एक होनहार उम्मीदवार है।% बता दें कि विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं और उनका मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से है। ट्रंप हालांकि अभी भी रिपब्लिकन समर्थकों की पहली पसंद बने हुए हैं और अन्य उम्मीदवारों से काफी आगे हैं लेकिन धीरे धीरे ही सही विवेक रामास्वामी लगातार अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

चीन को सबसे बड़ा दुश्मन मानते हैं रामास्वामी

विवेक रामास्वामी अपने चुनाव प्रचार के दौरान कह चुके हैं कि वह चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं और उन्होंने ये भी कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह से खत्म कर लेंगे। रामास्वामी ने कहा कि वह प्रशांत महासागर में होने वाले व्यापार में अमेरिका को फिर से शामिल करेंगे और साथ ही भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस करेंगे।

अपने एक इंटरव्यू में विवेक रामास्वामी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तानाशाह बता दिया था। रामास्वामी ने कहा कि वह राष्ट्रपति बनने पर चीन पर अमेरिका की आर्थिक निर्भरता को खत्म करने की दिशा में काम करेंगे और यह उनकी नीति का पहला कदम होगा। रामास्वामी ने ये भी कहा कि वह अमेरिकी कंपनियों के चीन में व्यापार करने पर प्रतिबंध लगाएंगे। इसके चलते कुछ समय के लिए परेशानी होगी लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप बलिदान देने के लिए तैयार रहते हैं तो आपको बलिदान करने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

केरल से है विवेक रामास्वामी का ताल्लुक

9 अगस्त 1985 को जन्मे विवेक रामास्वामी के माता-पिता भारत के केरल से आकर अमेरिका में बसे थे। रामास्वामी का बचपन ओहायो के सिनसिनाटी में गुजरा और उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक किया और फिर येले यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। रामास्वामी वोक, इंकः इनसाइड कॉर्पोरेट अमेरिका सोशल जस्टिस स्कैम नामक किताब के लेखक भी है। यह किताब न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्ट सेलर किताबों में शुमार हुई थी। रामास्वामी के एंटी वोक इंक का सीईओ भी कहा जाता है। रामास्वामी ने साल 2014 में रोइवान्ट साइंसेज नामक बायोटेक कंपनी की स्थापना की। रामास्वामी की यह कंपनी आज मल्टी बिलियन डॉलर की कंपनी है। रामास्वामी की पत्नी अपूर्वा तिवारी रामास्वामी ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं।

कोलंबिया में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप, 1 की मौत

बोगोटा, 18 अगस्त 2023। कोलंबिया में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजधानी बोगोटा में भी गुरुवार शाम को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। मेयर क्लाउडिया लोपेज ने कहा कि गंभीर नुकसान होने से शहर बच गया है, लेकिन शहर के दक्षिण में अपने अपार्टमेंट की 10वीं मंजिल से कूदने के बाद एक महिला की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, महिला को डर था कि इमारत ढह जाएगी। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, स्यूदाद बोलिवर के मैडेलेना में एक महिला ने शायद घबराहट के कारण 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी और उसकी मौत हो गई। यह हमारे साथ हुई एकमात्र गंभीर घटना है। कृपया, शांत रहें, शांत रहें।

लोपेज़ ने निवासियों को अपने घरों या कार्यस्थलों पर लौटने से पहले दीवारों और छतों को हुए नुकसान की जांच करने और भूकंप के कारण होने वाली किसी भी बड़ी दरार की तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी।

रिपब्लिकन सीनेटर ने मांगे अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से जुड़े मेल समेत कई पुराने दस्तावेज;लगाए कई बड़े आरोप

वाशिंगटन, 18 अगस्त 2023 । अमेरिका की रिपब्लिकन सीनेटर ने राष्ट्रीय अभिलेखागार और अभिलेख प्रशासन (एनएआरए) से बाइडन परिवार के भ्रष्टाचार में शामिल होने की जांच को आगे बढ़ाने के लिए अप्रकाशित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। बता दें, सीनेटर ने ऐसे रिकॉर्ड की मांग की है, जिसमें उप राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान जो बाइडन ने अपने बेटे हंटर के साथ यूक्रेन से संबंधित गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए उपनाम शब्दों (असली नाम के बदले रखे गए) का इस्तेमाल किया हो।

जांच पैनल के नाते मांगे दस्तावेज

हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने गुरुवार को र ा ष्ट ् ी य अभिलेखागार और अभिलेख प ् श ा स न (एनएआरए) से अनुरोध किया कि वह उसे जांच पैनल होने के नाते उप र ा ष्ट ् प ति बाइडन के

कार्यकाल से संबंधित दस्तावेज और उनके बेटे हंटर के बीच हुई बातों के मेल सौंपे। उन्होंने हंटर के यूक्रेन व्यवसाय के संबंध में राष्ट्रीय अभिलेखागार से बाइडन के ईमेल की भी मांग की। कॉमर ने उन दस्तावेजों की भी मांग की, जिनमें बाइडन ने उपनाम का इस्तेमाल किया था। साथ ही साल 2015 में यूक्रेन के साथ हुई बातचीत को भी बताने का अनुरोध किया है।

इनके लिए भी किया अनुरोध

विशेष रूप से, कॉमर ने राष्ट्रीय अभिलेखागार समिति से बाइडन के उप राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान किए उन ईमेल की मांग की है जिसमें यूक्रेन और यूक्रेनी गैस क ं प नी बरिस्मा से स ं ब ं धि त र ा ष्ट ् प ति बाइडन या हंटर बाइडन द्वारा भेजे गए या प्राप्त स ं दे श ा शामिल हैं।

बाइडन की सफाई

इससे पहले जो बाइडन ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि परिवार का विदेशी व्यापार योजनाओं से जुड़ना उनके उप राष्ट्रपति होने से कोई लेना देना नहीं था। उन्होंने दोनों के बीच एक दीवार बना कर रखी थी। हालांकि, कॉमर का कहना है कि सबूतों से साफ है कि उनके उप राष्ट्रपति होने के चलते ही परिवार के लिए कई रास्ते खुले थे।

पेश किए सबूत

जेम्स कॉमर ने कहा कि हमारे पास पहले से ही तत्कालीन उप राष्ट्रपति बाइडन के अपने बेटे के विदेशी व्यापार सहयोगियों के साथ बात करने, भोजन करने और कॉफी पीने के सबूत हैं। हम यह भी जानते हैं कि हंटर बाइडन और उनके सहयोगियों को उन देशों में तत्कालीन उप राष्ट्रपति बाइडन के आधिकारिक सरकारी कर्तव्यों के बारे में सूचित किया गया था, जहां उनका वित्तीय हित था। उन्होंने राष्ट्रीय अभिलेखागार को बाइडन परिवार के भ्रष्टाचार में शामिल होने की जांच को आगे बढ़ाने के लिए अप्रकाशित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के लिए कहा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सिख युवक ने किया भीड़ पर हमला,चाकू के हमले में कई घायल

लंदन, 18 अगस्त 2023 । ब्रिटेन में एक 25 वर्षीय सिख युवक को कई लोगों को चाकू मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पश्चिमी लंदन के साउथहॉल में आयोजित हुए स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान भीड़ पर चाकू से हमला किया। आरोपी गुरप्रीत सिंह को लंदन की यूएक्सब्रिज मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जहां उस पर जानबूझकर किसी को गंभीर नुकसान पहुंचाने, नुकीला हथियार रखने जैसे आरोप लगे हैं। अदालत ने आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपी को 14 सितंबर को आइसलेवर्थ क्राउन कोर्ट में पेश किया जाएगा।

क्या है मामला

खबर के अनुसार, मंगलवार को साउथहॉल में भारत के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट की जा रहीं कुछ वीडियो में दिख रहा है कि कार्यक्रम के दौरान कुछ खालिस्तान समर्थक मौके पर पहुंच गए और कार्यक्रम में झगड़ा हो गया। इसी दौरान हमला हुआ, जिसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। गनीमत रही कि इस घटना में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है।

एक महिला पुलिसकर्मी भी हुई घायल

पुलिस ने घटनास्थल से 20 वर्षीय एक अन्य युवक को भी हिरासत में लिया था लेकिन पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया। घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अफवाहें ना फैलाने की अपील की है और घटना की जांच कर रही है। आरोपी को पकड़ने के दौरान एक महिला पुलिसकर्मी भी घायल हुई है। मेट्रोपोलिटन पुलिस सुपरिटेंडेंट सीन लिंच का कहना है कि इस घटना से साउथहॉल के लोग और सिख समुदाय चिंतित है।

स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम के फोटो सेशन से बैकुंठपुर विधायक क्यों दिखीं बाहर ?

» एमसीबी के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ दोनों विधायक फोटो सेशन में हुए शामिल

» कोरिया स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के फोटो सेशन में नहीं देखी गईं बैकुंठपुर विधायक

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधायक अपने अनुसार ही चलना पसंद करती हैं और वह अपने अनुसार चलने के लिए इस बात का भी ध्यान नहीं रखतीं की वह इस बीच पार्टी सहित शासन की भी छवि का ध्यान नहीं रखतीं और जिसका संदेश अक्सर गलत चला जाता है और जो चर्चा का विषय बन जाता है जैसा फिर एक बार देखा गया है जब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान वह कार्यक्रम में तो मौजूद रहीं लेकिन जब कार्यक्रम पश्चात मुख्य अथिति और जिला प्रशासन के साथ फोटोग्राफी का अवसर आया वह नदारद हो गईं और मुख्य अतिथि ही जिला प्रशासन के साथ फोटोग्राफी में शामिल हुए और विधायक उस दौरान मौजूद नहीं थीं।

बैकुंठपुर विधायक जैसा की उनको लेकर देखा जाता रहा है की वह जब कभी भी जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहीं बनाई गई या जब भी उन्हे ध्वजारोहण कार्यक्रम या राज्योत्सत्व कार्यक्रम सहित अन्य किसी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नहीं बनाया गया और उनकी जगह किसी मंत्री या राज्य मंत्री को यह जिम्मा दिया गया वह या तो कार्यक्रम से दूरी बनाती नजर आई या कार्यक्रम में शामिल भी हुईं तो कुछ देर शामिल होकर ही लौट गईं और मुख्य अतिथि अकेले ही कार्यक्रम में शामिल रहकर उसे पूर्ण कर लौट गए, कई बार कई जिला स्तरीय कार्यक्रम जिसमे किसी मंत्री या राज्यमंत्री को मुख्य अतिथि बनाया गया उस कार्यक्रम में शामिल होने की बजाए बैकुंठपुर विधायक राजधानी में नजर आई और वहां उसी तरह के आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई, हाल ही में उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी अपना वही रवैया अपनाया और मुख्य अतिथि जिले के कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे रहे और विधायक आधे कार्यक्रम से ही रवाना हो गईं निकल गईं और फिर वह नहीं लौटीं जबकि उस कार्यक्रम में शामिल लोग उन्हीं के विधानसभा के थे और उन्हीं के निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता थे और जिसको लेकर चर्चा ही हुई थी, वहीं विधायक ने फिर एकबार वैसा ही किया है जब वह स्वतंत्रता दिवस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुई, जरूर लेकिन जब कार्यक्रम पश्चात यादगार के तौर पर मुख्य अतिथि सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ फोटोग्राफी का अवसर आया वह पलायन कर गई और कहीं भी फोटोग्राफी में वह नजर नहीं आई, इसके पीछे की वजह भी जो मानी जा रही है वह यही मानी जा रही है की वह मुख्य अतिथि चूंकि नहीं बनाई गई इसलिए वह कार्यक्रम में बेमन से शामिल जरूर हुई क्योंकि कई बार इसको लेकर सवाल खड़ा होता आया लेकिन अंत में उन्होंने वही किया जो वह करती आई हैं और कार्यक्रम समाप्त होते ही चली गई मुख्य अतिथि को कार्यक्रम स्थल से विदा करने की भी उन्होंने जरूरत नहीं समझी।

क्या विधायक अपने ही मतदाताओं के बीच केवल इसलिए कई शासकीय कार्यक्रमों में नहीं होती शामिल क्योंकि वह नहीं बनाई जाती मुख्य अतिथि ?

जनता की माने तो बैकुंठपुर विधायक को कई शासकीय कार्यक्रमों से केवल इसलिए दूरी बनाते देखा गया है क्योंकि उन्हें उन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि नहीं बनाया जाता वहीं वह ऐसे कार्यक्रम होते हैं जो उन्ही मतदाताओं के बीच आयोजित होता है जो बैकुंठपुर विधानसभा के मतदाता है जहां से विधायक निर्वाचित हैं और आगामी चुनाव में भी प्रत्याशी बनना चाहती हैं। अब सवाल यह उठता है की क्या उनके ऐसा करने से उनके खुद के विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के बीच कार्यक्रमों में नहीं जाने से उनकी नाराजगी दूर हो जायेगी, वैसे वह ऐसा करके खुद की नाराजगी तो सरकार के समक्ष रख पा रहीं हैं लेकिन वह ऐसा करके अपने ही क्षेत्र के मतदाताओं के बीच अपनी बात रखने का भी अवसर खो देती हैं जो माना जा रहा है,क्योंकि मुख्य अतिथि बनकर आया कोई मंत्री या राज्यमंत्री बैकुंठपुर विधानसभा से प्रत्याशी होगा यह हो नहीं सकता और वह पार्टी के हित की ही बात करने मतदाताओं को पार्टी के लिए ही प्रेरित करने आ रहा है जिसका फायदा विधायक के चुनाव लडने की स्थिति में उन्ही को मिलना है मुख्य अतिथि को नहीं, लेकिन विधायक ऐसा अवसर इसलिए छोड़ रहीं हैं क्योंकि वह अन्य को मुख्य अतिथि बनाए जाने से नाराज हो जाती हैं।

एमसीबी जिले में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम उपरांत फोटोग्राफी कार्यक्रम में शामिल हुए जिले के दोनो विधायक ,मुख्य अतिथि भी रहे मौजूद

वहीं नवीन जिले में दोनो विधायक पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे और वह फोटोग्राफी में भी मुख्य अतिथि के साथ शामिल हुए, उनके व्यवहार से यह नजर नहीं आया की वह किसी अन्य को मुख्य अतिथि बनाए जाने से नाराज हैं क्योंकि यह जानते हैं की कार्यक्रम यदि शासकीय है सरकार उनका आने वाला मुख्य अतिथि उनके ही सरकार का अंग है जिसका सम्मान जरूरी है उपस्थित जनता भी उनके क्षेत्र की मतदाता है जहां उन्हें भी मौका मिलेगा अपनी बात रखने का जिसका फायदा उन्हे चुनाव में हि मिलेगा।

विधायक का मोह तो केवल वोटों पर आधारित:महेश प्रसाद

» खाय बर खर्ची नई...आऊ नाचे बर परछी...यह कहावत चिरमिरी में सत्यार्थ:महेश प्रसाद

- संवाददाता -
चिरमिरी,18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के मनेंद्रगढ़ विधान सभा प्रत्यासी महेश प्रसाद ने कहा हाल में ही चिरमिरी नगर निगम में कांग्रेस के लोक सभा सांसद, विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक साथ में महापौर के द्वारा भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया गया जो कि लगभग 36.98 करोड़ रूपए का था। जो एक अच्छी बात है। लेकिन क्या चिरमिरी की प्राथमिकता में रोजगार को नहीं दिया जाना था। जहां आज लोगों के पास रोजगार ना होने की वजह से लोग अपने घर का एक वक्त का चूल्हा भी बडी मशक्कत से चला पा रहे हैं । वही इतने करोड़ों का लोकार्पण किया गया लेकिन एक भी कोई ऐसा लोकार्पण नहीं हुआ जिसमें चिरमिरी के युवा बेरोजगार का कल्याण हो सके यह तो वही बात हो गई छत्तीसगढ़ में एक लोक कहावत प्रचलित है ÷खाय बर खर्ची नहीं और नाचे बर परछी÷ मतलब सीधा सा है कि कांग्रेस सरकार युवाओं को रोजगार की बात करती है लेकिन यहां चिरमिरी में ना तो रोजगार है नाही स्थायित्व तो फिर इतने भारी भरकम राशि का इस्तेमाल इस विरान कहने वाले क्षेत्र में करने से किसका लाभ है। जिस क्षेत्र में जनता पलायन करने को मजबूर है।

महेश आगे कहा की यह तो साफ जाहिर है कि जिस प्रकार से यह राशि घोषित की गई है उसी प्रकार अब इन राशि का अघोषित तरीके से बंदरबांट किया जाएगा इसमें ठेकेदार भी अपने होंगे काम करने वाले भी अपने होंगे लेकिन विधायक महोदय और महापौर महोदय जो कि खुद को चिरमिरी माटी पुत्र कहते हैं यह भूल गए हैं कि चिरमिरी में सबसे पहले स्थायित्व की आवश्यकता है जिसके आधार पर पिछले विधानसभा में आपने चिरमिरी वासियों से वोट मांगा था लेकिन आज आप उन्हीं चिरमिरी वासियों को नजरअंदाज करते हुए पूरा का पूरा ध्यान बड़े-बड़े उद्योगपतियों एवं ठेकेदारों के क्षेत्रों में दे रहे हैं लेकिन आप यह भूल गए हैं कि जिस 15 वर्ष की सरकार को चिरमिरी की जनता धराशाई कर सकती है तो आपने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में चिरमिरी के जनता को सिर्फ छला है।

यदि चिरमिरी से इतना ही लगाव होता तो आज चिरमिरी के हित के लिए खड़े होते हैं। लेकिन आपका मोह तो केवल वोटों पर आधारित है। चार लोगों को अपने साथ जोड़कर आप यह सोच रहे होंगे की अब तो विधानसभा मेरा है। तो आप अपनी भूल को पुनः विचार करें क्या आपने जनता को दिया है और क्या जनता से लिया है। आपने स्थायित्व का नाम लेकर जनता को सिर्फ और सिर्फ छल किया है। खंडगवा क्षेत्र हो या चिरमिरी सबसे बड़ा मुद्दा हमारे महेंद्रगढ़ विधानसभा में यही है कि यहां का युवा रोजगार के लिए क्या करें। भरे मंच से विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बच्चो में रोज़गार का सृजन कराने के लिए हमने आईटीआई को हाई स्कूल से फी में देना लागू किया। लेकिन उसका सर्टिफिकेट देना भूल गए। क्या आप यह भूल गए कि आप ही की सरकार बिना परीक्षा परिणाम के और बिना सर्टिफिकेट के किसी भी प्रकार की नौकरी नहीं देती है ऐसे आईटीआई कोर्स को लागू कर बच्चों पर अतिरिक्त बोझ के अलावा आपके द्वारा कुछ नहीं दिया गया अपने भविष्य के साथ सिर्फ खिलवाड़ किया है।

सांसद श्रीमती महंत के हाथों छत्तीसगढ़ महतारी की भव्य प्रतिमा का हुआ अनावरण

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

आज कलेक्टरेट परिसर में कोरबा लोकसभा के सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ महतारी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, आस्था, परम्परा, पारंपरिक खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए अनेक उपाय किए हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं के ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिला कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

कोरिया जिला कलेक्टरेट परिसर में लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि यह मातृशक्ति की धरती है, यह माता कौशल्या की धरती है, मुझे खुशी है कि जिला प्रशासन ने कलेक्टरेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित की है। श्रीमती महंत ने कहा कि यह प्रसन्नता कि बात है कि इस परिसर में अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित है, अब वहीं छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा भी स्थापित हो गई है। इस अनावरण अवसर पर संसदीय सचिव एवं कोरिया विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव, कोरिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदान्ती तिवारी, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रतीक गुप्ता, योगेश शुक्ला, नजीर अहमद, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल, अन्नपूर्णा सिंह, श्रीमती संगीता राजवाड़े, चन्द्रप्रकाश राजवाड़े, विनोद शर्मा, एसडीएम अंकिता सोम, डिप्टी कलेक्टर राकेश कुमार साहू, विनय कुमार कश्यप सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप,कहार, निषाद,भोई समन्वय समिति के दुष्यंत कुमार प्रदेश अध्यक्ष (युवा) नियुक्त।

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप कहार निषाद भोई समन्वय समिति के राष्ट्रीय समन्वयक राजाराम कश्यप ने छत्तीसगढ़ प्रदेश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए दुष्यंत कुमार को प्रदेश अध्यक्ष ,युवा के पद पर नियुक्ति प्रदान की है । दुष्यंत कुमार के प्रदेश अध्यक्ष बनने से समूचे प्रदेश में हर्ष व्याप्त है साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश में कार्यरत विभिन्न समाजिक संगठनों के प्रमुखों ने उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इसी क्रम में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बाबा मार्तण्ड नें उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व की बधाई देते हुए कहा कि समाजिक संगठन में युवाओं के विकास को समझकर समूचे छ0ग0 प्रदेश में विस्तृत कार्य योजना बनाकर उनके सर्वांगीण विकास हेतु प्रयत्नशील रहेंगे । संगठन मंत्री कोमल निषाद सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) नीरज कश्यप ने भी उन्हें बधाई दी।

गौरतलब है कि अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप कहार निषाद भोई समन्वय समिति देश के 29 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में कार्यरत 151 समाजिक संगठनों का एक गठबंधन है समन्वय समिति के देश मे अलग पहचान है। समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दुश्यंत कुमार ने कहा कि छ0ग0 प्रदेश में समाजिक उत्थान, समाजिक विकास हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे एवं संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन एवं पूर्ण दायित्व निभाएंगे साथ ही संगठन ने जिस विश्वास के साथ मुझे प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है उस पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास एवं कदम उठाये जाने की बात कही है। इस महत्वपूर्ण पद में नियुक्ति की सूचना मिलते ही उनके निवास में बधाई देने केवट समाज के जिलाध्यक्ष राजेश काशी, ओम प्रकाश वर्मा, कवि नाविक वार्ड पार्षद अनिल खटिक पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस की सत्ता में भ्रष्टाचार चरम पर:हितेश भाजयुमो जिलाध्यक्ष

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/सोनहत,
18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

हितेश प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र में युवा मोर्चा के कार्यक्रम में गए हुऐ थे उनको वहा के ग्रामीणों ने बताया की ग्राम पंचायत बोडार के रोड को चल के देखें रोड की हालत क्या है, हितेश प्रताप अपने भाजपा के और युवा मोर्चा के साथियों के साथ ग्राम पंचायत बोडार विक्रमपुर चोपन पारा में गए ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुशार हितेश ने बताया की लगभग 34 लाख का रोड मंडी बोर्ड द्वारा दिया गाया था लेकिन 2 से 3 माह के भीतर ही जो सीसी रोड बना है उसके गुणवत्ता बहुत ही ज्यादा खराब थी जो मटेरियल यूज करना था वह मटेरियल यूज नहीं किया गया और साथ ही 20 एमएम गिट्टी की मात्रा न डाल के जीरा गिट्टी का भरपूर यूज किया गाया है सीमेंट की मात्रा भी कम डाली गई हालत यह हुई है रोड की की रोड से गिट्टी निकल रही है जब की सड़क ग्रामीण क्षेत्र में है जिसमे भारी वाहन भी नहीं चलता है हितेश ने साफ आरोप लगाते हुऐ कहा की मंडी विभाग के सब इंजीनियर, इंजीनियर आला आधिकारी एवं सत्ता में बैठे हुए कांग्रेस के विधायक गुलाब कमरों, ठेकेदार इन लोगों की मिली जुली बंदर बाट से ही यह सब संभव हो पा रहा है, हितेश ने आरोप लगाते हुऐ कहा की सत्ता में बैठ कर भ्रष्टाचार को जन्म देने का काम कांग्रेस कर रही है, भ्रष्टाचार का दूसरा नाम कांग्रेस है यह साबित कर रहा है, इनका काम अपने लोगो को काम देना और कमीशन खोरी कर पैसा कमाना यहीं कांग्रेसी विधायकों का काम रह गया है, ग्रामीण लोगो से जब हितेश की बात हुई तो उन्होंने साफ बताया कि गुलाब कमरों से भी इसकी शिकायत की गई थी लेकिन गुलाब कमरों ने भी कुछ नहीं किया, ग्रामीण जन काफी आक्रोशित हैं और जनता आने वाले चुनाव में जवाब देगी साथ इसकी शिकायत भी हितेश ग्रामीणों के साथ मिल के कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन के माध्यम से करेंगे, उनके साथ भाजपा मंडल सोनहत अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष रामप्रताप मरावी, भाजयुमो जिला महामंत्री प्रखर गुप्ता, भाजपा मंडल महामंत्री के पी सिंह, मनोज साहू युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, सुरेश राजवाड़े किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, राजाराम राजवाड़े युवा मोर्चा महामंत्री, टिकेश्वर राजवाड़े उपाध्यक्ष, राकेश राजवाड़े, मुकेश राजवाड़े, शैलेंद्र राजवाड़े, सोनू प्रजापति, तनुराजवाड़े, विदेश राजवाड़े, बलवीर सिंह, संजय गोस्वामी, विवेक साहू, अनुज राजवाड़े, फलेन्द्र दुलेश्वर, गणेश्वर नंदलाल, मिश्रा राजवाड़े एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोरिया मिलेट्स कैफे के होम डिलेवरी एक्सप्रेस का हुआ शुभारम्भ

- संवाददाता -
बैकुंठपुर,18 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

आज कलेक्टरेट परिसर में कोरबा लोकसभा के सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ महतारी की भव्य प्रतिमा का अनावरण के पश्चात कलेक्टर परिसर में स्थापित 'कोरिया मिलेट्स कैफे' द्वारा शुरू की जा रही 'होम डिलेवरी एक्सप्रेस' का भी श्रीमती महंत ने शुभारम्भ किया।

सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने मिलेट्स से बने नाश्ते का लिया स्वाद

शुभारम्भ के दौरान श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत ने कहा कि जब भी स्कूटी, बाइक से होम डिलेवरी करें तो हेलमेट पहनकर व सावधानी के साथ वाहन चलाने की अपील भी की। श्रीमती महंत ने कैफे में जाकर कोदो से बने खीर, उपमा, रागी से बने चीला व ज्वार से बने गुलाब जामुन का स्वाद लिया। श्रीमती महंत ने कहा कि सचमुच में मिलेट्स भोजन, नाश्ता सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी है। वहां बड़ी संख्या में उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों-कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि मिलेट्स का नाश्ता और भोजन जरूर करें। 'होम डिलेवरी एक्सप्रेस' के शुभारम्भ अवसर पर संसदीय सचिव एवं कोरिया विधायक अम्बिका सिंहदेव, कोरिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदान्ती तिवारी, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रतीक गुप्ता, योगेश शुक्ला, नजीर अहमद, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल, अन्नपूर्णा सिंह, संगीता राजवाड़े, चन्द्रप्रकाश राजवाड़े, विनोद शर्मा, एसडीएम अंकिता सोम, डिप्टी कलेक्टर राकेश कुमार साहू, विनय कुमार कश्यप सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

'आजादी का संगीत' स्वतंत्रता दिवस की संध्या कोरिया मिलेट्स में सजी सुरों की महफिल

» शहीदों को दी गई संगीतमयी श्रद्धांजलि,सुर्वे म्यूजिक एकेडमी की शानदार प्रस्तुति

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,18 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

विगत 40 वर्षों से संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सुर्वे म्यूजिक एकेडमी (सुरभि संगीत केंद्र,कुमार चौक) द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोरिया मिलेट्स कैफे में सुरों की महफिल सजाते हुए देशभक्ति से ओत प्रोत गीतों द्वारा वीर जवानों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उक्त कार्यक्रम का दर्शकों ने देर रात तक जानकर आनंद उठाया।

गौरतलब है कि सुरभि म्यूजिक एकेडमी के प्रतिभावान छात्रों ने कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ढोलक तबला तो किसी ने केसियो पर देशभक्ति धुनों से सबको झूमने पर मजबूर कर दिया बच्चों ने संस्था प्रमुख शुभांक सुर्वे(स्वामी) के साथ छत्तीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार की भी सुंदर प्रस्तुति दी! कार्यक्रम में एकेडमी के छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी बढ़िया प्रस्तुति दी सराहनीय बात यह रही कि शहर के गीतों के शौकीनों को भी एकेडमी ने खुला मंच दिया !सभी देशभक्ति गीतों के रंग में रंगे दिखे। एकेडमी ने बताया कि वाद्य बोर्ड पर सूर्यांश पांडे, अभिनव साहू कांगो में शैरोन रंजन ने अपनी प्रतिभा दिखाई वही प्रियांशी सिंह, दैविक गौड़, निहालिका कुजुर, आरती कनौजिया, विपिन सिंह, राजीव गुप्ता (राज़ी शायर),अमरीश पांडे एवम उनकी धर्मपत्नी प्रियंका पांडे सहित संवर्त कुमार रूप ने देशभक्ति गीतों से समा बांध दिया। इसके साथ ही रविंद्र सिंह, शत्रुघ्न तिवारी, श्रीमती कनोजिया एवं सोनम तिवारी ने भी अपने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी ।कार्यक्रम ने नन्हे बालक शीवांश पांडे ने शिव तांडव स्त्रोतम का पाठ करके सबको आश्चर्य में डाल दिया।

युवा संगीतकार और गायक शुभांक सुर्वे ने सम्यक क्रांति से चर्चा करते हुए कहा कि उनका जन्म संगीत के उपासक, मां सरस्वती के सेवक के घर पर ही हुआ उनके पिता स्वर्गीय रविंद्र सुर्वे ने अपने जीवन के 40 वर्ष कोरिया जिला और बैकुंठपुर के संगीत प्रतिभाओं को आगे ले जाने निखारने और तराशने के लिए ही व्यतीत किया संगीत मुझे विरासत में मिला है उन्होने कहा कि मेरा लक्ष्य भी एकेडमी के प्रतिभावान छात्रों को संगीत की उच्चतर शिक्षा देकर उन्हें शुभ अवसर उपलब्ध करवाना है ताकि वे राज्य और देश स्तर पर कोरिया जिले का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर अल्का सुर्वे, शालिनी रंजन, आशा तिग्गा, योगिता सुर्वे, घनश्याम जायसवाल, शत्रुघ्न तिवारी, अंकुर जायसवाल, कोमल तिवारी, सोनम तिवारी, अमरेश पांडे, प्रियंका पांडे, संवर्त कुमार रूप, प्रियंका जायसवाल कोरिया मिलेट्स कैफे के संचालकगण व कर्मचारी सहित भारी संख्या में शहर के नागरिकगण मौजूद रहे।

CMYK

खड़गवां विकास खंड में शिक्षा विभाग के जिला अधिकारी छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग आदेश की उड़ा रहे धज्जियां

आखिर क्यों कोरिया जिले के दो जिला अधिकारी इस व्याख्याता को संरक्षण देकर रखे थे ?

क्यों कोरिया जिले के दो जिला शिक्षा अधिकारी ने दो अलग-अलग आदेश जारी कर दिया...आखिर ऐसा क्यों ?

आखिर एम सी बी के जिला शिक्षा अधिकारी इस व्याख्याता पर इतने मेहरबान क्यों ?

खड़गवा विकास खंड शिक्षा विभाग हमेशा से ही किसी ना किसी बहाने सुर्खियों में रहते आ रहा है

क्यों एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी ने माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ को स्थानांतरण से संबंधित गलत और भ्रमित जानकारी उपलब्ध कराई गई है?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिला शिक्षा अधिकारी के शिक्षा के क्षेत्र में हो नित नए के खुलासे हो रहे हैं। ऐसा एक मामला खड़गवां विकास खंड के हाई स्कूल आमाडाड में पदस्थ व्याख्याता एल बी रमेश कुमार हलवाई का सामने आ गया छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग - टी मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के दिनांक 30/9/2022आदेश क्रमांक एफ 1--53/2022/20--चार राज्य शासन द्वारा निम्नलिखित व्याख्याताओं को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करते हुए उनके नाम के सम्मुख कालम --5 में दर्शाए गए स्थान पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यंत पदस्थ करता हैं। जबकि इस आदेश के क्रमांक नंबर 207 में स्पष्ट नाम का उल्लेख किया गया है और प्रशासनिक तौर पर स्थानांतरण किए जाने के बाद भी

पिछले एक वषों से उसी संस्था में पदस्थ हैं।

जबकि छत्तीसगढ़ शासन के जारी आदेश के बाद कार्यलय जिला शिक्षाअधिकारी बैकुंठपुर जिला कोरिया छ.ग. के आदेश क्रमांक 8329/स्थापना --1/ टई-- संवर्ग/2022--23 दिनांक 12/12/2022 को पत्र के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय के आदेश और पत्र क्रमांक का हवाला देकर रमेश कुमार हलवाई व्याख्याता (एल. बी.) विषय -- हिन्दी शासकीय हाईस्कूल आमाडाड विकास खंड खड़गवां जिला मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर छ.ग. का प्रशासनिक स्थानांतरण करते हुए शासकीय हाईस्कूल पटोरा विकास खंड लुण्ड्रा जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ में पदस्थ किया गया है उक्त आदेश के तहत रमेश कुमार हलवाई व्याख्याता एलबी विषय हिंदी को स्थानांतरित संस्था में कार्यभार ग्रहण करने हेतु कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा छत्तीसगढ़ के लिए आज दिनांक 12/ 12 /2022 को अपराह्न में भारमुक्त कर दिया गया और इस व्याख्याता की अंतिम वेतन प्रमाण पत्र भी नवीन पदस्थापना शासकीय हाईस्कूल पटोरा विकास खंड लुण्ड्रा जिला सरगुजा लिए डी डी ओ आहरण समवितरण अधिकारी विकास खंड खड़गवां उधनापुर के द्वारा अंतरित कर दिया गया था।

जिला शिक्षा अधिकारियों के संरक्षण में होता है खेल

एक व्याख्याता के लिए कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला कोरिया और जिला शिक्षा अधिकारी एमसीबी के द्वारा खुला संरक्षण दिया गया था जब इस प्रकरण के संबंध में खबर प्रकाशित हुई तो जिला शिक्षा अधिकारी ने आनन-फानन में दिनांक 7/8/2023 को भारमुक्त कर दिया गया है जबकि इस व्याख्याता को भारमुक्त करें लगभग ग्यारह बारह दिन हो गए अभी तक प्रभार नहीं हुआ है जिससे हाईस्कूल के प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं क्या जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा भारमुक्त करना ही प्रकरण की समस्या का निराकरण है या प्रशासनिक प्रभार भी दिलाने की जिम्मेदारी है? इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी के मोबाइल नंबर 6264990636 पर संपर्क करने की कोशिश की गई संपर्क नहीं हो सका।

इसके पश्चात शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश दिनांक 30/9/2022 में 235 शिक्षकों के स्थानांतरण त्रुटि पूर्ण से माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की गई दायर याचिका क्रमांक 1955/2023 आदेश दिनांक 21/4/2023 के परिपालन में तत्काल प्रस्ताव उपलब्ध कराने का आदेश लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक/सथा./स्थानां/न्या.प्र./30/2023 /236 दिनांक 4/5/2023 समस्त संभागीय संयुक्त संचालक छत्तीसगढ़ एवं समस्त जिला शिक्षा अधिकारी छत्तीसगढ़ जानकारी तैयार कर संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग छत्तीसगढ़ को शिक्षकों की सूची संलग्न कर आवश्यकतानुसार संशोधित स्थानांतरण प्रस्ताव तैयार करने का पत्र प्रेषित किया गया था माननीय उच्च न्यायालय में पारित याचिका में दिये गये निर्णय के बिंदु क्रमांक 7.8.9.एव 10 पालन सुनिश्चित कर दिनांक 5/5/2023 को सहायक संचालक को प्रेषित करने का आदेश किया गया था। जिसमें प्रपत्र- 01 WPS 1955/2023 एवं अन्य परिपालन में संशोधित स्थानांतरण प्रस्ताव स्थानांतरण नीति के विपरित होने वाले स्थानांतरण प्रकरणों की जानकारी जिन्हें कार्य मुक्त किया जा चुका है इस प्रपत्र --1 में जिला स्तरीय जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा एमसीबी जिले से जो जानकारी लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन को एवं माननीय उच्च न्यायालय को भेजी गई है वो ग़लत जानकारी भेजी गई है खड़गवां विकास खंड आमाडाड हाईस्कूल में पूर्व से दो शिक्षकों कि पदस्थापना होने के बाद भी माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर को एवं लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक एव प्रपत्र के माध्यम स्थानांतरण नीति में एकल शिक्षकीय बताया गया है भेजी गई जानकारी पूर्णतः गलत और भ्रमित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। खड़गवां विकास खंड में स्थानांतरण को लेकर बहुत ही भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिसकी जांच कर कार्य वाही की जरूरत है।

स्व.बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में शुरू हुआ कैंसर रोग-रेडियोथेरपी विभाग

-संवाददाता-
कोरबा, 18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी एवं अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम के प्रयास से जिले में कैंसर के ईलाज की सुविधा प्रारंभ हो गई है। जिले के स्व. बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंध अस्पताल के ट्रामा सेंटर बिल्डिंग में प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक कैंसर रोग-रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर कीमोथेरेपी की सुविधा मिलेगी। जिससे जिले के कैंसर रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। अब जिला चिकित्सालय कोरबा में ही कैंसर रोगियों की स्क्रीनिंग तथा डे केयर कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध होगी। सीएमएचओ डॉ. केसरी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसके पूर्व जिले के किसी भी अस्पताल में कैंसर रोगियों के उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। कैंसर रोगियों के ईलाज हेतु विभाग में डॉ पी. पाणिग्रही (एम.एस.), डॉ. सोनू कुमार साहू (जे.आर.) तथा डॉ. माधवी महत (जे.आर.) की नियुक्ति की गई है। इससे कैंसर रोगियों का कोरबा जिले में ही इलाज हो सकेगा और उन्हें मानसिक और शारीरिक परेशानी के साथ आर्थिक रूप से राहत मिलेगी। कैंसर का इलाज न सिर्फ शारीरिक रूप से परेशान करने वाला होता है बल्कि आर्थिक रूप से भी परिवार को कष्ट

देता है। कैंसर के मरीज का बाहर किसी चिकित्सालय में इलाज हेतु कीमोथेरेपी की आवश्यकता होती है जिसकी एक डोज पर 5 से 26 हजार रूपये खर्च आता है। साथ ही ईलाज के दौरान दी जाने वाली दवाई और आने-जाने का खर्च अतिरिक्त रूप से मरीज को वहन करना पड़ता है। एक मरीज को कीमो का 6 से 7 डोज दिया जाता है। इससे मरीज को बहुत अधिक आर्थिक बोझ सहना पड़ता है। स्व बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंध अस्पताल के ट्रामा सेंटर में कैंसर रोग-रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर कीमोथेरेपी की सुविधा प्रारंभ होने से मरीजों को उक्त खर्चों से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा एवं उनकी आर्थिक बचत होगी। कैंसर यूनिट में कैंसर रोग की स्क्रनिंग के साथ साथ-साथ कीमोथेरेपी की सुविधा तथा इसके साथ इससे संबंधित अन्य दवाईयों भी निःशुल्क दी जायेगी। डॉ. केशरी ने कैंसर के लक्षण की पहचान के संबंध में बताया कि इसका लक्षण बहुत विविधतापूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि कैंसर का लक्षण हो सकता कि वे बिल्कुल ना पाए जाए। इसी प्रकार कुछ मरीजों में असमान्य गाँठ, समझ ना आने वाला बुखार रात में पसीना आना या अनजाने में वजन में हुई वृद्धि या कमी, पाचन संबंधी समस्या कब्ज या दस्त होना, आवाज बदल जाना, लिम्फ नोड्स में सूजन, त्वचा के रंग में बदलाव इसके लक्षण में शामिल हैं। ऐसे लक्षणों वाले मरीज स्व बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सबंध अस्पताल कोरबा के ट्रामा सेंटर बिल्डिंग, प्रथम तल में प्रातः 8 से दोपहर 2 बजे तक में कैंसर रोग-रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर में इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

एसईसीएल के रिजनल स्टोर में डकैती करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

कॉपर केबल तार,1 पिकअप वाहन, 1 स्कूटी, 1 मोटर सायकल,1 नग देशी कट्टा,1 तलवार, केबल काटने में प्रयुक्त औजार किए गए जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

14 अगस्त 2023 को एसईसीएल विश्रामपुर के रिजनल स्टोर डिपो अधिकारी अवनीश ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 11 अगस्त को रिजनल स्टोर से कुछ लोगों के द्वारा 70 एमएम कॉपर केबल 2 बंडल व स्टोर रूम में रखे 25 एमएम कॉपर केलब 100 मीटर व 102 मीटर केबल को काटकर कुल 5 बंडल पावर/कॉपर केबल चोरी कर ले गए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना विश्रामपुर में आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्र. 141/23 धारा 395, 457, 380, 34 भादसं., लोक संपत्ति नुकसानी निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3, 4 तथा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना विश्रामपुर पुलिस के द्वारा आरोपियों की पतासाजी के दौरान स्टोर में लगे सीसीटीव्ही फुटेज की मदद ली जिसमें 7-8 व्यक्ति चोरी करते नजर आए। फुटेज के आधार पर 2 व्यक्ति की पहचान हुई। इसी बीच मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि घटना स्थल पर कबाड़ का काम करने वाले संदेही दिलीप, शंकर, ईश्वर चंद्र, प्रमोद मण्डल व जशपाल सिंह उर्फ बादल सिंह संदेहास्पद रूप से घूमते हुए देखे गए है। सूचना के आधार पर संदेहियों के ठिकाने पर दबिश देकर संदेहियों को पकड़ा गया।

पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि पउवापारा निवासी एक व्यक्ति के कहने पर प्रमोद मण्डल व अन्य लोगों के द्वारा मिलकर एसईसीएल रिजनल स्टोर में चोरी करने की योजना बनाकर कट्टा, तलवार, रॉड व तार काटने का औजार लेकर 11 अगस्त के रात्रि में रिजनल स्टोर से पावर/कॉपर केबल चोरी किए और पिकअप गाड़ी में लोड कर ले गए। मामले में दबिश देकर आरोपी (1) शंकर मानिकपुरी पिता सुखेम दास उम्र 38 निवासी माईनस कालोनी झोपड़ीपट्टी विश्रामपुर थाना विश्रामपुर (2) दिलीप सिंह पिता जलान्धर सिंह उम्र 52 वर्ष निवासी माईनस कालोनी विश्रामपुर थाना विश्रामपुर (3) ईश्वर चंद यादव पिता मानसाय यादव उम्र 32 वर्ष निवासी माईनस कालोनी विश्रामपुर थाना विश्रामपुर (4) जशपाल सिंह उर्फ बादल सिंह उर्फ बादल पिता हरदेव सिंह उम्र 23 वर्ष निवासी बाजारपारा शिवनंदनपुर थाना विश्रामपुर (5) प्रमोद मण्डल पिता रामेश्वर मंडल उम्र 35 वर्ष निवासी माईनस कालोनी झोपड़पट्टी विश्रामपुर (6) रंगलाल उर्फ रंगा पिता कलेश्वर सिंह उम्र 22 वर्ष सा. ग्राम पोड़ी थाना सूरजपुर को पकड़ा गया जिनके निशानदेही पर कॉपर केबल तार, 1 पिकअप वाहन, 1 स्कूटी, 1 मोटर सायकल, 1 नग देशी कट्टा, 1 तलवार, केबल काटने में प्रयुक्त औजार कुल कीमत 10 लाख रूपये का जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले में अन्य आरोपीगण फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर सी.पी.तिवारी, एएसआई शशिशेखर तिवारी, सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, विकास सिंह, शरद सिंह, रामनिवास तिवारी, आरक्षक दीपक दुबे, ललन सिंह, अखिलेश पाण्डेय, युवराज यादव, रौशन सिंह, अजय सिंह, बिहारी पाण्डेय, खेलसाय राजवाड़े, विजय साहू, संजीव राजवाड़े, सुरेन्द्र सिंह, योगेश पैंकरा व महिला आरक्षक द्रोपड़ी राजवाड़े, कमला सिंह व तेरेसा तिग्गा सक्रिय रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी ने एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स जीता

-संवाददाता-
कोरबा, 18 अगस्त 2023
(घटती घटना)

एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी हर्षित ठाकुर ने 31 मई 2023 से 3 जून 2023 तक फज्जाकिस्तान फ्यूचर सीरीज इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी को कजाकिस्तान में एपीएसीएस (क्ष्ट्स) वर्ल्ड सीरीज़ के लिए चुना गया था और पहले दौर में यूएई (श्) के खिलाड़ी को पछाड़ दिया था। अब हर्षित ठाकुर ने चेंगदू में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स भी जीता। एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित, राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी हर्षित ठाकुर को कजाकिस्तान में एपीएसीएस वर्ल्ड सीरीज़ के लिए चुना गया और उन्होंने यूएई के खिलाड़ी को हराकर पहले राउंड में सफलता हासिल की। हर्षित ठाकुर का लक्ष्य था की वे वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स अच्छा प्रदर्शन कर जीत हासिल करने का। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी हर्षित ठाकुर को नैगम सामाजिक दायित्व के तहत एनटीपीसी कोरबा द्वारा प्रशिक्षित और प्रायोजित किया गया है।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा), जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पनेश्वरी पैंकरा पत्नी अमर साय पैकरा जाति कंवर ग्राम/नगर पार्वतीपुर तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 262/29, रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु, व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा,नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, सेटलमेन्ट,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 03/09/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202305020700227

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-प्रशांत दास ,
अनावेदक पक्षकार- शिवशंकर,

ईश्तहार

आवेदक शिवशंकर दास आ0 तुष्ट बिहारी दास, निवासी मकान नंबर-37 ए, बंगालीपारा, फुन्दुरडिहारी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 450/4, 453/4 कुल रकबा 0.598 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्टमें प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/09/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/06/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202308020700087

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-पंचदेव सिंह ,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक पंचदेव सिंह आ0 स्व0 उधव सिंह, निवासी शिवधारी कॉलोनी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4964/2 रकबा 0.022 हे0 भूमि का ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/09/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/08/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

ई-कोर्ट क्र..../ब-121/2022-23

सर्व साधारण ग्राम नगर बैकुण्ठपुर रा0नि0मं0 बैकुण्ठपुर बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छत्तीसगढ़ तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र प्रसाद तिवारी आ0 नर्मदाप्रसाद तिवारी निवासी नगर तहसील बैकुठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0) आवेदन पत्र वास्ते आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप में अपने पुत्र आशीष तिवारी के लिये प्रमाण पत्र प्रदाय करने का आवेदन पेश किया गया है। आवेदक आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, फार्म-16, ऋण पुस्तिका की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 28/08/2023 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस नयायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नही किया जावेगा।
जारी दिनांक 11/08/2023

सील — तहसीलदार बैकुण्ठपुर,जिला-कोरिया

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

ई-कोर्ट क्र..../ब-121/2022-23

सर्व साधारण ग्राम नगर बैकुण्ठपुर रा0नि0मं0 बैकुण्ठपुर बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छत्तीसगढ़ तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र प्रसाद तिवारी आ0 नर्मदाप्रसाद तिवारी निवासी नगर तहसील बैकुठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0) आवेदन पत्र वास्ते आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप में अपने पुत्री दीक्षा तिवारी के लिये प्रमाण पत्र प्रदाय करने का आवेदन पेश किया गया है। आवेदक आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, फार्म-16, ऋण पुस्तिका की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 28/08/2023 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस नयायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नही किया जावेगा।
जारी दिनांक 11/08/2023

सील — तहसीलदार बैकुण्ठपुर,जिला-कोरिया

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) वाड्रफनगर जिला-बलरामपुर - रामानुजगंज (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम रजखेता तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुमार गुप्ता आ0 श्री रविन्द्र गुप्ता जाति सुण्डी निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) के द्वारा ग्राम रजखेता तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व भूमि ख0न0 111/9 रकबा 0.050 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न औद्योगिक प्रयोजन व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 02/09/2023 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) वाड्रफनगर जिला-बलरामपुर (रा.गंज)

कार्यालय,कलेक्टर (आबकारी),जिला-सरगुजा (छ0ग0)

वर्ष 2023-24 में देशी/विदेशी मदिरा दुकानों में संग्रहित मदिरा की खाली कार्टूनों एवं खाली शीशी का विक्रय किये जाने के लिये विक्रय दर बुलाये जाने हेतु

//पुनर्निविदा सूचना//

क्रमांक/आब/ठेका/2023/1251 — अम्बिकापुर,दिनांक16/08/2023

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिये यह निविदा सूचना प्रकाशित की जाती है, कि सरगुजा जिले में संचालित 01 देशी मदिरा एवं 07 विदेशी मदिरा में संग्रहित मदिरा की खाली कार्टूनों/खाली शीशी का विक्रय किये जाने के लिए,विक्रय दर बुलाये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 की अवधि हेतु 31 मार्च 2024 तक के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकर्ताओं द्वारा सीलबंद लिफाफे में दिनांक 31/08/2023 को दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित शर्तो के अधीन तकनीकी शर्त एवं प्राईस बिड युक्त मुहारबंद लिफाफों में पृथक-पृथक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र रूपये 500/- एवं जी0एस0टी0, 90/- कुल 590/- रूपये निर्धारित है। दिनांक 31.08.2023 को सायं 04:00 बजे निविदा खोला जावेगा। अधिकतम दर को स्वीकार किया जावेगा। समयावधि पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तो का अवलोकन तथा अन्य जानकारी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल. सरगुजा से कार्यालयीन समय पर प्राप्त किया जा सकता है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला आबकारी अधिकारी
सह जिला प्रबंधक,सी.एस.एम.सी.एल.
सरगुजा (छ0ग0)

जी.नं.-04346/3

नीरज चोपड़ा की विश्व चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर निगाहें

बुडापेस्ट ,18 अगस्त 2023। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की पदकों की अलमारी में सिर्फ विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण की कमी है और अब इस सुपरस्टार खिलाड़ी की निगाहें शनिवार से शुरु होने वाली इस प्रतियोगिता में इसी कमी को पूरा करने पर लगी हैं।

चोपड़ा (25 वर्ष) ने तोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह पिछले साल डायमंड लीग चैम्पियन भी बन गये। चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था और वह इस बार यहां स्वर्ण पदक के दावेदारों में शुमार होंगे क्योंकि किसी भी प्रतिभागी को भी यहां प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जायेंगे। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था।

शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म को देखा जाये तो किसी को भी 27 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। क्वालीफिकेशन इससे दो दिन पहले होगा। चोपड़ा ने इस सत्र में केवल दो शीर्ष स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं (दोहा और लुसाने डायमंड लीग) में हिस्सा लिया है और दोनों में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते। इन दोनों स्पर्धाओं के बीच उन्होंने चोट के कारण एक महीने का आराम भी किया।

करीब दो महीने के आराम और ट्रेनिंग के बाद चोपड़ा ने कहा कि वह इस बड़ी प्रतियोगिता के लिये तैयार हैं जिसका दर्जा ओलंपिक की तरह ही है। स्वर्ण पदक के दावेदारों में उनके अलावा चेक गणराज्य के जाकूब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और गत चैम्पियन एंडरसन पीटर्स शामिल हैं। लुसाने में 88.67 मीटर के थ्रो से स्वर्ण जीतने वाले चोपड़ा विश्व सूची में तीसरे स्थान पर हैं लेकिन वह दोहा और लुसाने दोनों में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों की तिकड़ी (वाडलेच, वेबर और पीटर्स) को पछाड़कर विश्व चैम्पियनशिप में प्रवेश कर रहे हैं। डीपी मनु और किशोर जेना भी पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेने वाले दो अन्य भारतीय हैं। जेना का वीजा गुरुवार को हंगरी के दूतावास द्वारा रद्द कर दिया गया था लेकिन शुक्रवार को उन्हें मंजूरी मिल गयी। अन्य स्पर्धाओं में पुरुषों की लंबी कूद से पदक की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता जिसमें जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) इस सत्र में विश्व सूची की अगुआई कर रहे हैं।

एल्ड्रिन ने मार्च के शुरु में बेलारी में शानदार कूद लगायी लेकिन इसके बाद से वह आठ मीटर को छूने में जूझ रहे हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के बर्न में सिटियस प्रतियोगिता 8.22 मीटर से जीती थी। श्रीशंकर उनकी तुलना में कहीं ज्यादा निरंतर रहे हैं। उन्होंने जून में भुवनेश्वर में 8.41 मीटर से व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह बैंकॉक एशियाई चैम्पियनशिप में 8.37 मीटर की कूद (रजत पदक) के बाद विश्व चैम्पियनशिप में प्रवेश कर रहे हैं।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेस में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अविनाश साबले स्टार सुसज्जित खिलाड़ियों में शीर्ष स्तरीय प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। वह शनिवार को हीट में उतरेंगे। भारत का अभियान पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल से शनिवार को शुरु होगा जिमसें आकाशदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह हिस्सा लेंगे, हालांकि उनसे पदक की आस नहीं है। महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल में कोई भारतीय नहीं होगी क्योंकि भावना जाट को 'स्थान की जानकारी देने में विफलता' के कारण स्वदेश बुला लिया गया।

प्रतियोगिता के पहले दिन शैली सिंह महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में हिस्सा लेंगी जबकि अजय कुमार सरोज पुरुषों की 1500 मीटर हीट में उतरेंगे। पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में तीन भारतीय प्रवीण चित्रावेल, अब्दुल्ला अबुबाकर और एल्डोस पॉल हिस्सा लेंगे।

अमेरिकी ओपन में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होगी एक समान गेंद

न्यूयॉर्क ,18 अगस्त 2023। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में इस साल पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए एक समान गेंद का उपयोग किया जाएगा जो उन महिला खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है जिन्होंने पिछले साल उपयोग में लाई गई गेंद को घटिया करार दिया था। विश्व में नंबर एक खिलाड़ी और पिछले साल की चैंपियन इगा स्वियातेक उन महिला खिलाड़ियों में शामिल थी जिन्होंने महिला वर्ग में उपयोग लाई जा रही गेंद को पुरुष वर्ग की गेंद की तुलना में हल्का करार दिया था। अमेरिकी ओपन चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अकेला टूर्नामेंट है जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के लिए अलग-अलग गेंदों का उपयोग किया जाता रहा है।

अमेरिकी ओपन की टूर्नामेंट निदेशक स्टेसी एलास्टर ने पिछले साल कुछ खिलाड़ियों से उनकी राय जानी थी। इन खिलाड़ियों ने हल्की गेंद के बजाय भारी गेंद का समर्थन किया था। वर्ष का यह आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है और टेनिस की गेंद बनाने वाले विल्सन के अनुसार इस तरह के कोर्ट के लिए भारी गेंद आदर्श होती है। एलास्टर ने कहा,'' अगर डब्ल्यूटीए गेंद में बदलाव चाहता है तो फिर हमें कोई परेशानी नहीं है। विल्सन महिलाओं के लिए भी वैसी गेंद तैयार करेगा जैसा डब्ल्यूटीए चाहता है। इसमें कोई अतिरिक्त लागत नहीं लगेगी।

राष्ट्रीय शिविर के लिए महिला सब जूनियर कोर ग्रूप का चयन

नयी दिल्ली ,18 अगस्त 2023। हॉकी इंडिया ने राउरकेला में 21 अगस्त से शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए शुक्रवार को 40 सदस्यीय महिला सब जूनियर कोर ग्रूप गठित किया। यह शिविर पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

हॉकी इंडिया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में लगाए जाने वाले इस शिविर के बाद भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने के लिए यूरोप का दौरा करेगी।

शिविर के लिए तैयार किए गए इस कोर ग्रूप में गोलकीपरों में तारा शैलजा, होदाम पबित्रा देवी, तनुजा जबकि रक्षकों में मुस्कान, रजनी केरकेट्टा, पार्वती टोपनो, सुष्मिता डुंगडुंग, अमीषा एक्का, हरजीत कौर, कोमल पाल, भाव्या, तमन्ना, प्रियंका शामिल हैं।

मध्य पंक्ति में पुष्पा डांग, रोशनी आइंद, रितिका अहिरवार, लीशांगथेम नटाली चान, मुतुम प्रिया देवी, पूजा माझी, निशा दादेल, शरणजीत कौर, पूर्णिमा यादव, पूजा शामिल हैं।

अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों में तुलसी कुप्पा, स्वीटी डुंगडुंग, जमुना कुमारी, लक्ष्मी, काजल, कृष्णा शर्मा, गुनगुन कौर, डोली भोई, दीपिका बरवा, तनुजा टोप्पो, करुणा मिंज, बिनाती मिंज, मनीषा पटेल, वंदना पटेल, काजल, रविना और कीर्ति को कोर ग्रूप में जगह दी गई है।

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

नयी दिल्ली ,18 अगस्त 2023। एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी।

वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था। इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिये गये दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं।

ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिये गये थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाये गये थे।

'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), अनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है।

दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल तीन जनवरी से प्रभावी होगा और पांच दिसंबर 2022 को लिये गये पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी नतीजे हटा दिये जायेंगे।

दुती के वकील पार्थ गोस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि यह खिलाड़ी अपने पूरे पेशेवर करियर में 'क्लीन एथलीट' (किसी भी डोपिंग से दूर) रही है और यह मामला इस पदार्थ के 'अनजाने में सेवन' करने का था।

दुती ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते थे और उनके नाम 2021 से 100 मीटर में 11.17 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

गोस्वामी ने कहा, हमारे लिये यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान पाये जो पूरी तरह से उनके

इरादे का ठोस सबूत है। इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा, हम अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपीलीय पैनल को यह बात समझाने में सफल रहेंगे।

दुती के वकील ने कहा, दुती भारत का गौरव हैं और वह पूरी तरह से 'क्लीन एथलीट' हैं। एक दशक के चमकदार करियर के दौरान दुती अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई डोप जांच से गुजर चुकी हैं और इतने लंबे करियर में वह कभी भी डोप के मामले में पॉजिटिव नहीं आयीं।

दुती और उनके वकील ने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्म पैनल (एडीडीपी) के समक्ष भी दावा पेश किया था कि यह अनजाने में सेवन का मामला था।

एडीडीपी के आदेश के अनुसार, एथलीट और उनके वकील ने एनडीटीएल (राष्ट्रीय डोप जांच प्रयोगशाला) के जांच के नतीजे की रिपोर्ट से इनकार किये बिना कहा कि उन्होंने यह पदार्थ अनजाने में लिया था जो उनके फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह पर लिया गया था जिनसे यह एथलीट नियमित रूप से परामर्श लेती हैं। इसमें कहा गया, एथलीट और उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि यह फिजियोथेरेपिस्ट पुलेला गोपीचंद अकादमी का था जहां यह खिलाड़ी विशेष अनुमति के अंतर्गत ट्रेनिंग ले रही थीं।

दुती के वकील ने यह भी प्रस्तुत किया कि यह खिलाड़ी 'हाइपरएंड्रोजनिक' से पीड़ित थी जिसके कारण उनके 'पेट में काफी तेज दर्द' था जिसके लिए ही यह उपचार किया गया था।

एडीडीपी ने कहा कि एथलीट ने दवाई खरीदने के लिए अपने दोस्त की मदद ली जो इस मामले में गवाह भी हैं।

एडीडीपी के आदेश में कहा गया, गवाह ने बयान देने से पहले वो हलफनामा भी प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया है कि वह खुद दुकान पर 'हार्मोन असंतुलन' के इस सप्लीमेंट को लेने गये थे लेकिन इसके विपरीत गवाह से पूछताछ में उसने खुद इस सप्लीमेंट को खरीदने की बात से इनकार किया लेकिन यह काम अपने मैनेजर को दे देने की बात कही।

वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका

» स्मिथ और स्टार्क हुए चोटिल,

» साउथ अफीका सीरीज से हुए बाहर

मेलबर्न, 18 अगस्त 2023। आस्ट्रेलिया के चोटिल स्टीव स्मिथ और मिशेल स्टार्क दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पायेंगे लेकिन उनके विश्व कप से पहले भारत में होने वाली वनडे श्रृंखला के लिए फिट होने की उम्मीद है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अनुसार आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड में एशेज के दौरान हुए कलाई के फ्रेक्चर से उबर रहे हैं जबकि स्मिथ भी बायीं कलाई की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह चार हफ्तों तक खेल से दूर रहे थे। दोनों 30 अगस्त से तीन सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय में नहीं खेल पायेंगे जिसके बाद सात से 17 सितंबर तक पांच वनडे की श्रृंखला होगी।ये दोनों 22 सितंबर से भारत के खिलाफ शुरु होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में बायें हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क के साथ वापसी करेंगे जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम में नहीं हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में मिशेल मार्श दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कप्तान होंगे। पांच मैचों की वनडे श्रृंखला में भी वह यही जिम्मेदारी उठायेंगे।

भारत के खिलाफ तीन वनडे 22, 24 और 27 सितंबर को क्रमश: मोहाली, इंदौर और राजकोट में खेले जायेंगे। पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे विश्व कप की तैयारी के लिए यह श्रृंखला अहम होगी।

वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई अभियान में जंपा और मार्श की भूमिका महत्वपूर्ण होगी:माइक हसी

सिडनी ,18 अगस्त 2023। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइक हसी का मानना है कि स्पिनर एडम जंपा और ऑलराउंडर मिशेल मार्श इस साल के आखिर में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। लेग स्पिनर जंपा को 2016 में ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में चुना गया था। उसके बाद से उन्होंने अब तक 79 वनडे मैचों में 131 विकेट लिए हैं। भारत में परिस्थितियां स्पिनरों के अनुकूल होने की संभावना है और ऐसे में हसी को लगता है जंपा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। हसी ने शुक्रवार को कहा,''एडम जंपा ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पूरे टूर्नामेंट में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने वास्तव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।''इस पूर्व क्रिकेटर ने इसके साथ ही कहा कि मार्श जिस आत्मविश्वास के साथ खेलते हैं उसे देखते हुए वह इस टूर्नामेंट में अपना बहुत प्रभाव छोड़ सकते हैं। हसी ने कहा,'' और मुझे लगता है कि मिशेल मार्श ऐसा खिलाड़ी है जो निश्चित तौर पर बड़ा प्रभाव छोड़ सकता है। उसे बहुत बड़ी भूमिका सौंपी गई है।

विश्व चैंपियनशिप में दूसरे खिताब से एक जीत दूर अंतिम पंघाल

नयी दिल्ली ,18 अगस्त 2023। उदीयमान पहलवान अंतिम पंघाल सहित भारत के तीन खिलाड़ियों ने यहां विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई जबकि हर्षिता कांस्य पदक के मैच में खेलेगी। एशियाई खेलों के ट्रायल्स के लिए विनेश फोगाट को चुनौती देने वाली गत चैंपियन पंघाल ने अभी तक के अपने तीनों मुकाबले आसानी से जीते। पहली बार भारत की चार महिला पहलवान विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची हैं। पंघाल के अलावा गुरुवार को सविता (62

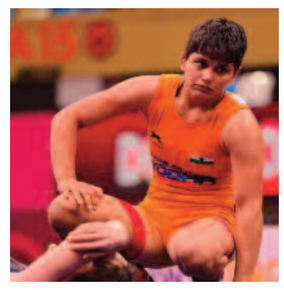

किग्रा) और अंतिम कुंडू (65 किग्रा) ने भी अपने वजन वर्गों में फाइनल में जगह बनाई। प्रिया ने बुधवार को 76 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया था। भारत की एक अन्य पहलवान हर्षिता सेमीफाइनल में हारने के कारण अब 72 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक के लिए खेलेगी।

पंघाल ने फाइनल तक पहुंचने में केवल दो अंक गंवाए। उन्होंने पहले दौर में पोलैंड की निकोला मोनिका विस्विस्का को केवल 68 सेकंड में शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने चीन की जुएजिंग लियांग पर तकनीकी श्रेष्ठता के साथ जीत हासिल की। हिसार की इस पहलवान ने सेमीफाइनल में रूस की पोलिना लुकिना को पराजित किया।

सनी देओल की गदर 2 का शानदार प्रदर्शन जारी

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित गदर 2 का पहले दिन से टिकट खिड़की पर शानदार प्रदर्शन जारी है।22 साल बाद आए गदर के इस सीक्वल को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, गदर 2 ने रिलीज के छठे दिन 34.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 263.48 करोड़ हो गया है।

गदर 2 ने पहले दिन 40.1 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की थी, वहीं फिल्म की कमाई में दूसरे दिन इजाफा हुआ और इसने 43.08 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन फिल्म ने 51.7 करोड़ और चौथे दिन 38.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पांचवें दिन फिल्म को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी का फायदा मिला और इसने 55.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ गदर 2 की कमाई 300 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।

गदर 2 में सनी देओल ने तारा सिंह के रूप में वापसी की है। अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा ने भी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है।गदर 2 2001 में आई फिल्म गदर का सीक्वल है। 18 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 133 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।गदर ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर उपलब्ध है।निर्देशक अब गदर की तीसरी किस्त यानी गदर 3 बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

मालविका मोहनन का फर्स्ट-लुक पोस्टर थंगालन से जारी किया गया

जाने-माने अभिनेता विक्रम मनोरम अवधि के ग्रामीण नाटक थंगालान के लिए प्रशंसित फिल्म निर्माता पा रंजीत के साथ जुड़ गए हैं। फिल्म ने अपने दिलचस्प मेकिंग वीडियो की रिलीज के बाद काफी उम्मीदें जगाई हैं। मुख्य अभिनेत्री मालविका मोहनन के जन्मदिन के अवसर पर, टीम ने उनके फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया। मालविका एक डी-ग्लैमराइज्ड भूमिका में चौंकाती हैं, एक आदिवासी महिला का किरदार निभाती हुई प्रतीत होती हैं, जो आगामी ब्लॉकबस्टर में आकर्षण का माहौल जोड़ती है।

कोलार गोल्ड फील्ड्स की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरणा लेती है। नीलम प्रोडक्शंस और स्टूडियो ग्रीन प्रोडक्शन में पार्वती थिरुवोथु और पसुपति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीवी प्रकाश कुमार के संगीत कौशल के साथ, थंगालान एक सम्मोहक सिनेमाई अनुभव का वादा करता है।

वरुण तेज और नोरा फतेही की वीटी 14 को मिला नाम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता वरुण तेज पिछले लंबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म वीटी 14 को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं।इसमें उनकी जोड़ी बॉलीवुड की मशहूर मॉडल, डांसर और अभिनेत्री नोरा फतेही के साथ बनी है।अब वरुण और नोरा की वीटी 14 को नाम मिल चुका है। वीटी 14 का नाम मटका रखा गया है। इसके साथ निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है।वरुण ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर मटका का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन उन्होंने लिखा, मेरी अगली फिल्म। मुझे आपका प्यार चाहिए।यह फिल्म करुणा कुमार के निर्देशन में बन रही है। यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है।मटका में मीनाक्षी चौधरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है।यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है।उनके प्रशंसक इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं और अब फिल्म में नोरा की एंट्री हो गई है, जिसके बाद प्रशंसकों का उत्साह बेशक दोगुना हो जाएगा।फिल्म में नोरा एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। इसमें वह अभिनय के अलावा एक स्पेशल डांस नंबर भी करती दिखेंगी।

CMYK

प्रवीण सोमानी अपहरणकांड में कोर्ट का फैसला

छह आरोपितों को उम्रकैद, मास्टर माइंड अब भी फरार

रायपुर, 18 अगस्त 2023(ए)। जनवरी 2020 में राजधानी रायपुर के सिलतरा इलाके से हुए उद्योगपति प्रवीण

उद्योगपति प्रवीण सोमानी

सोमानी के अपहरण में शामिल छह आरोपितों अनिल चौधरी, मुन्ना नाहक उर्फ कालिया, शिशिर स्वाइन, प्रदीप भुइंया, तूफान गौर और आफ्ताब अंसारी को द्वादस अपर सत्र न्यायाधीश लीलाधर साय यादव ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने इस अपहरण कांड को गंभीर अपराध की श्रेणी का मानते हुए धारा 364 ए, 120 बी, 201 के तहत दोषसिद्ध करारे देते हुए यह सजा

सुनाई। कुल 14 गवाहों की कोर्ट में गवाही हुई। इस केस के दो आरोपित अभी भी फरार है।

यह था मामला

आठ जनवरी 2020 को उद्योगपति प्रवीण सोमानी सिलतरा स्थित अपनी फैक्टरी से पंडरी इलाके के जयश्री मर्लिन सोसाइटी स्थित घर जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान बिहार और उत्तरप्रदेश के अपराधियों ने उनका अपहरण कर लिया था।

इस अपहरण कांड में चंदन सोनार गैंग का नाम सामने आया था। यह गिरोह मूलतः बिहार से है, और देश के कई बड़े व्यापारियों के अपहरण कांड में इनकी भूमिका भी रही है। उद्योगपति के अपहरण की घटना के बाद से ही 2020 में डीजीपी रहे डीएम अवस्थी के निर्देश पर रायपुर के तत्कालीन एसएसपी आरिफशेख के नेतृत्व में 60 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की एक विशेष टीम तैयार की गयी थी।

घटना के बाद से ही पुलिस की टीम कारोबारी की तलाश करते हुये उत्तरप्रदेश, बिहार, गुजरात सहित पांच राज्यों में छापेमारी की थी। इस छापेमारी से घबराकर अपहरणकर्ताओं ने उद्योगपति प्रवीण सोमानी को उत्तरप्रदेश के फैजाबाद जिले के सूनसान इलाके के एक घर में छोड़ दिया था और वहां से फरार हो गए थे। जहां से पुलिस टीम प्रवीण सोमानी को सकुशल बरामद कर रायपुर लेकर आई थी।

बाद में पुलिस ने इस मामले में गिरोह के सदस्य अनिल चौधरी, मुन्ना कालिया, प्रदीप बाबू सहित 12 आरोपितों को उत्तरप्रदेश, बिहार और ओडिशा से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपितों ने अपहरणकांड का मुख्य सरगना पप्पू चौधरी को होना बताया था। पप्पू चौधरी हीरा व्यापारी के अपहरण मामले में गुजरात की जेल में बंद है।

सुनार गैंग का सदस्य है पप्पू चौधरी

पप्पू चौधरी चंदन सुनार गैंग का शातिर सदस्य है। पप्पू चौधरी को गुजरात की वापी पुलिस ने मुंबई के हीरा कारोबारी के अपहरण के एवज में 30 करोड़ की फि रौती की रकम लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद से पप्पू चौधरी सूरत जेल में बंद है। चंदन सुनार गैंग के कुख्यात सदस्य पप्पू चौधरी के खिलाफ देश के कई राज्यों में दर्जनों गंभीर केस दर्ज हैं। प्रवीण सोमानी अपहरण कांड में पप्पू चौधरी भी शामिल था।

प्रियदर्शिनी बैंक घोटाला मामले में निवेशकों के खाते में जमा हुए 50 लाख रुपए

सीएम ने कहा-शिकंजा कसता जाएगा

रायपुर, 18 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के चर्चित प्रियदर्शिनी बैंक घोटाले में जांच शुरु होने के बाद से परत दर परत चीजें सामने आ रही हैं। निवेशकों का पैसा वापस आने लगा है।

मामले में फिर से 50 लाख रुपये जमा कराए गए हैं। जांच आगे बढ़ने से शिकंजा कसता जा रहा है। इस घोटाले को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने राजनीतिक सांठगांठ होने की बात कही है।

सीएम भूपेश ने ट्वीट कर कहा कि 'इंदिरा प्रियदर्शिनी बैंक घोटाले के मामले में आज 50 लाख रुपए और जमा हुए। घोटाले की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी, शिकंजा कसता जाएगा, वैसे वैसे परिणाम मिलते जाएंगे। पहले जांच इसलिए नहीं हुई क्योंकि इसमें राजनीतिक सांठगांठ थी। हम वहां तक भी पहुंचेंगे।

केजरीवाल-मान आज राजधानी के टाउन हाल में बैठक करेंगे

रायपुर, 18 अगस्त 2023 (ए)। आम आदमी पार्टी तू डाल डाल, मैं पात-पात की तर्ज पर प्रदेश में कांग्रेस भाजपा का पीछा कर रही है।

जोगी कांग्रेस की स्थिति को देखते हुए आम आदमी पार्टी की नजर उसके 6त वोट पर है। इसे हासिल करने पूरी ताकत के साथ छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवालवदो दिन बाद फिर छत्तीसगढ़ दौरे पर आने वाले हैं। वे 19 अगस्त को रायपुर मे टाउन हाल सम्मेलन में शामिल होंगे । उनके साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान के भी आने की खबर है। आज दोपहर बाद कार्यक्रम तय हो जाएगा। प्रदेश प्रमुख. कोमल हुपेंडी ने छत्तीसगढ़ से कहा कि केजरीवाल जी एक निजी होटल में

टाउन हाल लेंगे। जहां प्रदेशभर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं जुटेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान छत्तीसगढ़ में दो बार चुनाव सभा कर चुके है. रायपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन और बिलासपुर में चुनावी सम्मेलन किया जा चुका है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में 2018 के बाद 2023 में भी आम आदमी पार्टी पूरे 90 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने वाली है। इसके लिए पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार अभियान चला रही है। घोषणा पत्र समिति का गठन भी कर दिया गया है। गांव-गांव में आम आदमी पार्टी की टीम बनाई जा रही है।जो सोशल मीडिया के जरिए पूरे प्रदेश के नेताओं को कनेक्ट करने के लिए बनाया जा रहा है।

आज रायपुर आते ही वेणुगोपाल लेंगे बैक टू बैक बैठक

रायपुर, 18 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कांग्रेस संचार विभाग सुशील आनंद शुक्ला ने बताया है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की दो महत्वपूर्ण बैठकें 19 अगस्त को राजीव भवन में आयोजित की गयी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल इन बैठकों को लेंगे। पहली बैठक सुबह 10 से 12 बजे पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की है।

दूसरी बैठक दोपहर 12 बजे से लोकसभा के पर्यवेक्षकों की होगी। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी

सेलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव गण डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, विजय जांगिड़, चुनाव के लिये बनाये गये पर्यवेक्षक गण तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यगण भी शामिल होंगे।

युवा कांग्रेस चलाएगा हितग्राही कार्ड अभियान

» पदाधिकारियों के प्रभार में हुआ बदलाव

रायपुर , 18 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को पदाधिकारियों के प्रभार में बदलाव किया है। साथ ही हितग्राही कार्ड अभियान के लिए पदाधिकारियों को हजार से ज्यादा फॉर्म भरवाने की जिम्मेदारी भी दी गई है। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी डॉ. पलक वर्मा और प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। हितग्राही कार्ड अभियान के चलते ही पदाधिकारियों को नए क्षेत्र का प्रभार सौंपा गया है। युवा कांग्रेस की ओर से विधानसभा और अधिकारी कार्ड का जो अभियान चल रहा है उसके चलते पदाधिकारी की प्रभार क्षेत्र में नई नियुक्ति की गई है। सभी समीकरण को ध्यान में रखते हुए लोगों को नया पदभार दिया गया है। प्रदेश महासचिव कोमल अग्रवाल को महामंत्री प्रशासन और गरियाबंद जिले का प्रभार दिया गया है। साथ ही प्रदेश महासचिव अनिमेष सिंह को

महामंत्री संगठन और महासमुंद जिले का प्रभार दिया गया है। रायपुर जिले का भी प्रभार बदलकर प्रदेश महासचिव आदिल खैरानी को रायपुर जिला शहर का प्रभार दिया गया है। यह सारी नियुक्तियां युवा कांग्रेस की ओर से आने वाले विधानसभा चुनाव और हितग्राही कार्ड अभियान को मध्य नजर रखते हुए किया गया है।।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि, विधानसभा चुनाव में अब 3 महीने का ही वक्त बच गया है। साथ ही राष्ट्रीय और प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व की ओर से युवा कांग्रेस को हितग्राही कार्ड अभियान दिया गया है। इसको युवा कांग्रेस बेहद सफलता पूर्ण चल रही है। इसी को माध्यम से रखते हुए सभी पदाधिकारी की नए जिले और विधानसभा में नियुक्ति की गई है। साथ ही हितग्राही कार्ड अभियान को लेकर सभी को अपने-अपने विधानसभा से 1 हजार से अधिक लोगों का कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। मेरा मानना है कि यह सारी नियुक्तियां आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के लिए लाभदायक साबित होगी और फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

कांग्रेस की चुनाव घोषणा पत्र समिति का खड़गे ने किया ऐलान

» अकबर बनाए गए चेयरमैन,
» चुनाव प्रबंध समिति का जिम्मा मंत्री डहरिया को

रायपुर, 18 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ चुनाव घोषणा पत्र समिति का ऐलान कर दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों की घोषणा की है।

जारी घोषणा पत्र के अनुसार मंत्री अकबर चेयरमैन बनाए गए हैं। वहीं मंत्री रविंद्र चौबे, शिव डहरिया, अमरजीत भगत, उमेश पटेल सहित 23 सदस्यों को समिति में शामिल किया गया है। इसके अलावा चुनाव प्रबंध समिति का भी ऐलान किया गया है। शिव डहरिया को चुनाव प्रबंध समिति का चेयरमैन बनाया गया है, वहीं रामगोपाल

अग्रवाल संयोजक होंगे। इस समिति में अरुण सिंघानिया, राजेश तिवारी, गिरीश देवांगन, मलकीत सिंह गेंदू और गजराज पगारिया को शामिल किया गया है।

हिमाचल के आपदा पीड़ितों के लिए सरकार की ओर से भेजी जाएगी 11 करोड़ की सहायता राशि

रायपुर, 18 अगस्त 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देव भूमि हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से आई विपदा की स्थिति में पीड़ित लोगों की मदद के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 11 करोड़ रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है। सीएम बघेल ने कहा कि हिमाचल में भीषण प्राकृतिक विपदा आई है। ऐसे में हम सभी छत्तीसगढ़वासी हिमाचल के लोगों के साथ खड़े हैं।

उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री बघेल ने कल ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर चर्चा की थी और हिमाचल प्रदेश के हालात की जानकारी ली थी। सीएम भूपेश ने उनसे कहा कि पूरा देश हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़ा है। हम सब सामूहिक एकजुटता के साथ आपदा का सामना करेंगे और सामान्य स्थिति की बहाली के लिए कार्य करेंगे।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर हजारों विद्युतकर्मी हड़ताल पर रहे

रायपुर , 18 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को लेकर आज हजारों अधिकारी व कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते विद्युत विभाग में कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। बताया जाता है कि इस हड़ताल में करीब 9 हजार अधिकारी व कर्मचारीगण शामिल हैं। आज शुक्रवार को किए जा रहे सामूहिक हड़ताल में कार्यालयीन अधिकारी/कर्मचारी के साथ ही बड़ी संख्या में मैदानी अमले ने सामूहिक अवकाश लेकर इस हड़ताल को और मजबूत कर दिया है। इधर कंपनी प्रबंधन द्वारा सामूहिक अवकाश पर रहने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र को कर्मचारी संगठनों ने

अनुचित तथा श्रम कानूनों का उल्लंघन बताया है। इससे पहले अपनी मांगों को ले कर छग.रा.वि.मं. पत्रोपाधि अभियंता संघ, छ.ग.स्टे.पा.कं. आफिसर्स एसोसिएशन, छ.रा.वि.मं. आरक्षित वर्ग अधि/कर्म.संघ, छ.रा.वि. कर्म. जनता यूनियन, छ.ग. विद्युत कर्म. संघ (फेडरेशन), विद्युत कर्म. संघ (फेडरेशन), छ.ग. तक. विद्युत कर्म. एकता यूनियन, छ.रा.पा.क. डॉक्टर एसोसिएशन एवं छ.ग.स्टे.पा.कं. स्टेनोग्राफर एसोसिएशन के संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर कर्मी 16 जुलाई 2023 से विरोध प्रर्दशन करते हुए काली पट्टी लगाकर कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 28 जुलाई 2023 को पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने की मांग को लेकर कंपनी मुख्यालय में बड़ी आमसभा कर चुके हैं।

भाजयुमो की नवनियुक्त कार्यकारिणी की परिचयात्मक बैठक संपन्न

-दुलारे अंसारी-
रायपुर,18 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

कुछ दिन पहले भाजयुमो अध्यक्ष गोविंदा गुप्ता ने अपनी 209 पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्य एवं विशेष आर्मंत्रित सदस्यों की घोषणा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष रवि भगत, जिला संगठन प्रभारी खूबचंद पारख, भाजपा रायपुर जिला अध्यक्ष जयंती पटेल के सहमति से की गई । घोषणा होते ही भाजयुमो जिला अध्यक्ष गोविंद गुप्ता के नेतृत्व में समस्त नियुक्त पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्यों विशेष आर्मंत्रित सदस्यों एवं मंडल अध्यक्षों की परिचात्मक बैठक जिला कार्यालय एकात्मक परिसर में आहूत की गई जिसमें अतिथि के रूप में संभाग प्रभारी रोहित माहेश्वरी प्रदेश उपाध्यक्ष हरिओम साहू, रितेश मोहरे रायपुर जिला प्रभारी मनीष पांडे , प्रदेश मीडिया प्रभारी विकास मित्तल, गंधर्व पांडेय उपस्थित हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं के समूह को

संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मनीष पांडे ने आगामी विधानसभा चुनाव में जाकर कार्य एवं नव मतदाताओं से संपर्क उन्हें पार्टी के विचारधाराओं के जोड़ने की बात कही।

संभाग प्रभारी रोहित माहेश्वरी ने संगठन द्वारा मिले दायित्व पर सभी पदाधिकारी को बधाई देते हुए संगठन के प्रति मिले कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने की बात कही।

इसी कड़ी में जिला अध्यक्ष गोविंद गुप्ता ने उपस्थित अतिथियों को परीचात्मक बैठक में आस्वस्थ किया की घोषित कि गई नई टीम अपनी पूरी क्षमता से विधानसभा में कार्य करेगी और राजधानी की चारों विधानसभा सीटों पर कब्जा भारतीय जनता पार्टी का होगा।

इसी परिचय बैठक में जिले के उपाध्यक्ष राहुल राव,आशीष आहूजा ,अश्विनी विश्वकर्मा ,राहुल यादव, रवि सोनकर, अनिल शर्मा जिला महामंत्री अर्पित सूर्यवंशी ,प्रणय साहू जिला मंत्री मुकेश पटेल ,वासु शर्मा ,शंकर साहू ,मुकुंद ठाकुर, अनिल नायडू ,गौतमानंद ,बसंत विश्वकर्मा

सह कोषाध्यक्ष अमित सिंघल, संदीप कसार,सोनू यादव, प्रकार साहू, विशाल शुक्ला, विभोर ठाकुर,अतुल यादव,आकाश तिवारी, दुलारे अंसारी,अमन ठाकुर, साजन ठाकुर, कृष्ण देवांगन,तरुण गुप्ता, एडवोकेट साई श्रीनिवास, सीए मोहित जैन, कैलाश बेहरा, राजू टांडी,रजत साहू,प्रकाश गवली, रंजन शर्मा सहित जिला युवा मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर ने खुद को मारी गोली

» इलाज के दौरान तोड़ा दम
» कोबरा 210 बटालियन में था पदस्थ, आत्म हत्या का कारण अज्ञात

बीजापुर,18 अगस्त 2023 (ए)। सीआरपीएफ कोबरा 210 बटालियन में पदस्थ इंस्पेक्टर ने स्वयं के सर्विस राइफल से गोली चला कर आत्म हत्या कर ली है । एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि शुक्रवार 18 अगस्त 2023 को कोबरा 210 बटालियन में पदस्थ इंस्पेक्टर शशि अहमद ने अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली । घायल अवस्था मे जवान को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहाँ उपचार के

दौरान इंस्पेक्टर की मौत हो गई है । जवान दिल्ली का रहने वाला था, उसके आत्महत्या किये जाने के कारणों का अभी खुलासा नही हो पाया है ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)